आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 16 अंक 305 -● जबलपुर ● शुक्रवार, 9 दिसम्बर, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● पौष कृष्ण पक्ष-प्रतिपदा ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

स्वीमिंग में लीक हुई क्लोरीन गैस 10 से ज्यादा बच्चे हो गए बेहोश

विजयवाड़ा ईएमएस। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा जिले में एक नगरपालिका स्विमिंग पूल में अचानक क्लोरीन गैस रिसाव हो गया है, जिससे 8 से 14 वर्ष की आयु के 10 से ज्यादा बच्चों बेहोश हो गए।मिली जानकारी के मुताबिक बीमार छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी एएनआइ ने जानकारी दी है। स्विमिंग पूल अकादमी के पर्यवेक्षक ने बताया कि यह हादसा बुधवार को विजयवाड़ा नगर निगम स्विमिंग पूल में हुआ था। जब बच्चे स्विमिंग पूल में ट्रेनिंग ले रहे थे, उसी दौरान पूल में क्लोरीन लीक होने से बच्चे गंभीर रूप से बीमार हैं।

कॉलेजियम व्यवस्था पर आरटीआई कानून लागू होने की बात से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति के लिए बनी कॉलेजियम व्यवस्था पर आरटीआई कानून लागू होने की बात से इनकार किया है। अदालत ने कहा कि कॉलेजियम की बैठकों को इसके दायरे में नहीं लाया जा सकता क्योंकि मीटिंग के अंत में सभी सदस्य जजों के हस्ताक्षर के साथ जो प्रस्ताव पारित होता है, बड़ी अंतिम निर्णय होता है। इससे पहले मीटिंग में जो भी चर्चा होती है, यह कोई निर्णय नहीं होता बल्कि एक तात्कालिक चर्चा होती है।

शादी में गैस सिलेंडर फटा

दूल्हे के माता-पिता सहित 60 लोग झुलसे, 5 की मौत

जोधपुर,ईएमएस। जोधपुर में शादी के घर में हुए सिलेंडर ब्लास्ट में आज सुबह इलाज के दौरान तीन महिलाओं की मौत हो गई। गुरुवार को हुए इस हादसे में अब तक दो बच्चों सहित कुल 5 लोगों की जान चली गई है, जबकि 40 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। सभी का जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। डॉक्टर एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप कच्छावा ने हादसे में गंभीर रुप से झुलसी तीन महिलाओं धापू कंवर, कंवरू और चंदन कंवर की आज हुई मौत की पुष्टि की है। इस भीषण हादसे में करीब 20 परिवारों के 60 से ज्यादा लोग झुलसे हैं। वहीं, दो घरों में शादियों की खुशियां मातम में बदल गई हैं। जब ब्लास्ट हुआ उस वक्त दूल्हा तैयार हो रहा था। यह हादसा भूंगरा गांव में शादी समारोह के दौरान हुआ। जोधपुर कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने जानकारी दी कि जोधपुर के शेरगढ़ में शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हुआ है और यहां गैस सिलेंडर फटने के फटने से शादी समारोह में आए 60 लोग झुलस गए। जिला कलेक्टर ने जानकारी दी है कि इस हादसे में दूल्हा सुरेंद्र सिंह, दूल्हे के पिता तगत सिंह, दूल्हे की मां दाखु कवर व बहन रसाल कंवर झुलस सहित 60 लोग झुलस गए हैं। वहीं 8 से 10 महिला, बच्चे व पुरुष 90 फीसदी तक जल चुके हैं। वहीं 30 महिला, पुरुष व बच्चे 50 फीसदी से 70 फीसदी तक जल चुके हैं।स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया और आग के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया और तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे में दूल्हे के माता-पिता और बहन भी गंभीर रूप से झुलस गए हैं। वहीं दूल्हे के बहन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

शादी समारोह के लिए बनाई जा रही थी रसोई

जोधपुर के शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भूंगरा गांव में एक शादी समारोह के आयोजन के दौरान रसोई बनाने का काम चल रहा था, इसी दौरान हलवाई के पास लगे गैस के सिलेंडर फटने से दर्दनाक हादसा हो गया। समारोह में अफरा तफरी का माहौल बन गया। हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता व ग्रामीण स्क्र अनिल कायल मौके के लिए रवाना हो गए। पुलिस को जानकारी मिली कि शादी समारोह में खाना बनाने के लिए 20 गैस सिलेंडर मंगवा कर रखे गए थे, जिनमें से एक गैस सिलेंडर हलवाई के पास ब्लास्ट हो गया, जिसके बाद एक के बाद एक 5 सिलेंडर फट गए थे।विस्फोट इतना भयानक था कि मकान की एक छत भी धराशाई हो गई। मौके पर सिलेंडर फटने से लगी आग में वहां मौजूद 60 से अधिक लोग झुलस गए जिसमें कि महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अब तक चार की मौत हो चुकी है। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में दिशा निर्देश लेकर घटनास्थल पर पहुचें गंभीर रूप से झुलसे लोगों निजी वाहनों और 108 एंबुलेंस से कई फेरों में घायलों को जोधपुर पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है।इनमें से 11 लोगों का बर्न परसेंटेज 60 से अधिक है, जिसको लेकर भी अस्पताल प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है।

लखनऊ के होटल में भीषण आग, एक की मौत, 3 की गंभीर

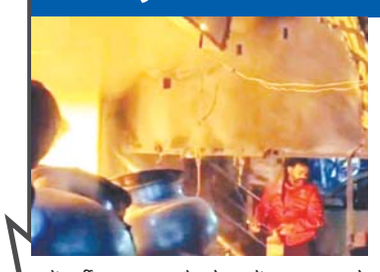

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। चारबाग के होटल रंगोली के बेसमेंट में बने बेस्ट बिरियानी रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। हादसे में एक युवक की जलकर मौत हो गई। वहीं 3 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। होटल में उस वक्त 7 लोग ठहरे थे। सभी नासिक से शादी में शामिल होने आए थे। घटना रात साढे 9 बजे की है। 11 बजे तक धुआं और लपटें दूर तक देखी गईं।हादसे के मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। दमकल को बुलाया गया। करीब 2 घंटे के बाद दमकल ने आग पर काबू पाया।आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मी मौके पहुंचे। 2 घंटे में कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने बताया कि हादसा गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण हुआ। पुलिस-अग्निशमन की टीम मौके पर जांच कर रही है। चारबाग स्थित कबीर होटल है। इसके एक पार्ट में रंगोली होटल भी बना है। रंगोली के बेसमेंट में बेस्ट बिरयानी के नाम से रेस्टोरेंट है। जिसमें अचानक आग लग गई। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में आग पर काबू पाने के लिए टीम लग गई। कबीर होटल में लगे उपकरणों से आग पर काबू पाने की स्टाफ ने कोशिश की। इसके साथ ही दमकल को सूचना दी गई। हादसे में रेस्टोरेंट में बिरयानी खाने आए लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां नासिक निवासी प्रकाश सुधाकर दात्रे (30) को मृत घोषित कर दिया। उनके साथी अनीस शेख उर्फ बादशाह समेत 3 लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं। उनका इलाज चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है। जांच करने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल की जीत से कांग्रेस को मिली संजीवनी 2024 में भी आएगी काम

आस और विश्वास में इजाफा

शिमला , ईएमएस। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस को 40 सीटें मिली है और भाजपा को 25 पर जीत के साथ सत्ता से बाहर होना पड़ा है। 2018 के बाद यह पहला मौका है जब किसी राज्य में कांग्रेस को सत्ता हाथ लगी है। पंजाब, यूपी, गोवा मणिपुर बिहार समेत कई राज्यों में बुरी तरह हारने वाली कांग्रेस को पहाड़ी राज्य ने एक तरह से संजीवनी दी है। हिमाचल में कांग्रेस की जीत की वजह पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने के उसके वादे को भी माना जा रहा है जो उसने चुनाव प्रचार में किया था। इससे पहले वह छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पुरानी पेंशन की बहाली का फैसला ले चुकी है।अब इसी मुद्दे के दम पर हिमाचल के चुनाव में जीत ने उसे संजीवनी दे दी है। माना जा रहा है कि अब ओल्ड पेंशन स्कीम का वादा 2024 के आम चुनाव में भी दोहरा सकती है। इससे पहले 2019 में उसने च्न्यायज्का ऐलान किया था, लेकिन वह सीधे तौर पर लोगों को प्रभावित नहीं कर सका था। लेकिन उसके उलट देश में कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग है और पुरानी पेंशन स्कीम का वादा उन्हें लुभा सकता है। यानी अब भाजपा के मुकाबले कांग्रेस पहले की तरह खाली हाथ नहीं है। वह अब पुरानी पेंशन स्कीम के जरिए देश में सरकारी कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग को साधने की स्थिति में होगी। इसके अलावा नौकरी की तैयारी करने वाले युवा भी उसके इस वादे पर साथ दे सकते हैं। कांग्रेस की यह समस्या रही है कि उसके हाथ से अलग-अलग वर्गों का वोट लगातार छिटकता रहा है। यूपी, बिहार, बंगाल जैसे राज्यों में वह किसी एक वर्ग की दावेदारी की बात नहीं कह सकती। यहां तक कि मुस्लिमों का मत भी उन दलों को मिलता रहा है, जो भाजपा को हराने की स्थिति में हों। यही वजह है कि हिंदी पट्टी समेत कई अन्य राज्यों में बुरे दिनों में कांग्रेस का प्रदर्शन निचले स्तर पर पहुंच गया। ओल्ड पेंशन स्कीम के मुद्दे से कांग्रेस इस संकट को खत्म करने की स्थिति में होगी। पुरानी पेंशन के साथ ही नौकरियों का मुद्दा उठाना कांग्रेस के लिए उम्मीद से भरा हो सकता है।

गुजरात में भाजपा को सबसे अधिक वोट सबसे अधिक सीटें

12 दिसंबर को गांधीनगर में CM पद की शपथ लेंगे पटेल

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में भाजपा ने 52 फीसदी वोट और 156 सीट हासिल करके इतिहास रच दिया। ब्रांड मोदी के असर से भाजपा ने 182 में से 156 सीटें (86प्रतिशत) जीत लीं। यह राज्य के 62 साल के इतिहास में किसी पार्टी की सबसे बड़ी जीत है। खास बात यह कि एंटी इन्कंबेंसी नहीं रहीं। क्योंकि, भाजपा ने पिछले चुनाव में जीती 92 सीटें इस बार भी जीत लीं। पिछले चुनाव में 77 सीटें जीती कांग्रेस 17 सीटों पर सिमट गई। 33 से 22 जिलों में खाता भी नहीं खोल पाई। 10प्रश सीटें न होने के कारण कांग्रेस विपक्ष के नेता का पद भी खो सकती है। वहीं, आप सिर्फ 5 सीटें जीतकर राष्ट्रीय पार्टी बन गई।12 दिसंबर को दोपहर 2 बजे भूपेंद्र पटेल मुख्यमंत्री पद शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव का जनादेश अब स्पष्ट हो चुका है, यहां की जनता ने मन बना लिया है कि दो दशक से चली आ रही गुजरात की इस विकास यात्रा को अविरत चालू रखना है। यहां के लोगों ने एक बार फिर BJP पर अटूट भरोसा दिखाया है। राज्य में अब तक के चुनावों में इतना जबरदस्त बहुमत किसी भी दल को नहीं मिला। इससे पहले कांग्रेस ने 1985 में माधव सिंह सोलंकी की अगुआई में 149 विधानसभा

सीटें जीती थीं। वहीं, 2002 में नरेंद्र मोदी के सीएम रहते भाजपा को 127 सीटें मिली थीं। भाजपा ने दोनों रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इसके साथ ही लगातार एक दल की सातवीं जीत के रिकॉर्ड को भी छू लिया है। पहले यह कारनामा बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी कर चुकी है। वह 1977 से 2011 तक सत्ता में रही और सात विधानसभा चुनाव जीती।भाजपा की इस जीत के पीछे हिंदुत्व, विकास का पैकेज और बाहरी बनाम भीतरी का मुद्दा भारी पड़ा। केजरीवाल ने दिल्ली मॉडल की तरह जनता से मुफ्त योजनाओं का वादा किया। लेकिन भाजपा ने इसे गुजरात के स्वाभिमान से ड़ दिया और जनता से नकारने की अपील की, जो कामयाब रही।

हिमाचल में सरकार बनाने की तैयारी, कांग्रेस विधायकों को शिमला में ही रुकने का निर्देश

शिमला एजेंसी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में बहुमत मिलने के बाद कांग्रेस की ओर से सरकार बनाने की तैयारी शुरु हो गई है। शुरुआत में कांग्रेसी नेताओं ने विधायकों की खरीद-फरोख्त का अंदेशा जताया था, लेकिन अब लगता है कांग्रेस इस ओर से निश्चिंत हो गई है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक चुनाव में जीते सभी कांग्रेसी विधायकों को शिमला में ही रहने को कहा गया है। शुक्रवार को कांग्रेस आलाकमान की ओर से भेजे जा रहे पर्यवेक्षक भूपेश बघेल, भूपेंद्र हुड्डा और चुनाव प्रभारी राजीव शुक्ला शिमला में विधायकों से मिल सकते हैं। उसके बाद ही तय होगा कि हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री का कुर्सी किसे सौंपी जाएगी।तमाम राज्यों में करारी हार झेलने के बाद हिमाचल प्रदेश ने कांग्रेस को नई ऊर्जा दी है। प्रदेश में ना सिर्फ पार्टी का सिक्का चल गया, बल्कि स्पष्ट बहुमत भी मिला है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की 68 सीटें हैं। जिसमें से कांग्रेस ने 40 सीटों

पर जीत हासिल की है। वहीं बीजेपी को 25 सीटों पर जीत मिली है। आम आदमी पाटी ने भी हिमाचल के चुनाव में पहली बार हाथ आजमाया था, लेकिन उनकी जमानत तक जब्त हो गई। बड़े-बड़े दावे कर रहे पार्टी का खाता तक नहीं खुला। वैसे, राज्य के सीएम जयराम ठाकुर ने अपनी सीट तो बचा ली, लेकिन बीजेपी की सत्ता नहीं बचा पाए। उन्होंने हार स्वीकार करते हुए राज्यपाल को अपना इस्तीफा भी सौंप दिया है।

बाघों के लिए फिर असुरक्षित हुआ पन्ना टाइगर रिजर्व

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश का पन्ना टाइगर रिजर्व में शिकारी फिर सिर उठाने लगे हैं। मौजूद समय में सुरक्षा के जैसे इंतजाम और अनदेखी की जा रही है उससे यह क्षेत्र बाघों के लिए असुरक्षित होता दिख रहा है। पिछले तीन साल में यहां पांच बाघ और एक तेंदुआ का शिकार हो चुका है। पार्क की सीमा से सटे पन्ना उत्तर वनमंडल के विक्रमपुर गांव में मंगलवार देर शाम नर बाघ का शव क्लच तार के फंदे पर झूलता मिला है। छह माह पहले एक बाघिन और उसके दो शावकों के शव मिल चुके हैं। वर्ष 2020 में शिकारियों ने एक बाघ का गला काटकर शव केन नदी के पानी में डुबो दिया था। जिस उत्तर वनमंडल में हाल में बाघ का शिकार हुआ है। वर्ष 2009 में यहां एक भी बाघ नहीं बचा था। कई प्रयासों के बाद उन्हें फिर से बसाया गया। इसकी देश-दुनिया में प्रशंसा भी हुई, लेकिन अब हालात वैसे ही हैं। वहां इसी साल जुलाई से वनमंडल अधिकारी का पद खाली है। दक्षिण वनमंडल के अधिकारी उसका प्रभार संभाल रहे हैं। 12 साल की मेहनत का परिणाम है कि पन्ना टाइगर रिजर्व में आज करीब 70 बाघ हैं, लेकिन माकूल सुरक्षा न होने से ऐसा लगता है कि यह स्थिति ज्यादा दिन नहीं रहेगी।

चक्रवात मैंडूस का खतरा बढ़ा

चेन्नई, एजेंसी। साइक्लोन मैंडूस के आज गंभीर होने की संभावना है। इस दौरान 105 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके चलते तमिलनाडु के 13 जिलों में आज रेड अलर्ट जारी किया गया है। एहतियातन हृष्ठक्रस्न की छह टीमों को तैनात किया गया है। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने सभी पार्कों और प्लेग्राउंड को आगे की सूचना तक के लिए बंद करने का आदेश दिया है। इसके अलावा लोगों से शुक्रवार और शनिवार समुद्र किनारे नहीं जाने के लिए कहा गया है।मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन घंटों के दौरान तमिलनाडु के तिरुवल्लुर, चेन्नई, चेंगलपट्टू और कांचीपुरम जिलों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा रानीपेट्टई, वेल्लोर, तिरुपत्तर, कृष्णागिरी, धर्मपुरी, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, अरियालुर, पेराम्बलुर, थिरुचिरापल्ली, करूर, इरोड, सलेम में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के 13 जिलों में आज रेड अलर्ट जारी; चेन्नई में पार्क, प्लेग्राउंड बंद

धार्मिक कट्टरता फैलाने, भड़काऊ शिक्षा की जांच पूरी

प्राचार्य व सहायक प्राध्यापक निलंबित, तीन शिक्षकों को हटाया

इंदौर ईएमएस। इंदौर के शासकीय विधि महाविद्यालय में धार्मिक कट्टरता फैलाने और भड़काऊ शिक्षा दिए जाने को लेकर जांच पूरी हो चुकी है। सात सदस्यों की समिति ने गुरुवार को जांच रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कालेज में अनुच्छेद 370 का शिक्षकों द्वारा विरोध करना, विवादित किताब से पढ़ाए जाने का जिक्र है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव ने कार्रवाई की है। प्राचार्य डा. इनामुर्रहमान और सहायक प्राध्यापक डा मिर्जा मोजिज बेग को निलंबित कर दिया है। वहीं तीन अतिथि विद्वानों को फालेन आउट कार्रवाई के दायरे में लिया है। इसके चलते ये शिक्षक कभी भी सरकारी कालेजों में पढ़ा नहीं सकेंगे। कालेज के प्रो. अमीक खोखर, डा. मिर्जा मोजिज बेग, डा. फिरोज अहमद मीर, डा. सुहैल अहमद वाणी, प्रो. मिलिंद कुमार गौतम, डा. पूर्णिमा बीसे पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप लगा था। जांच में समिति के सामने अनुच्छेद 370 का विरोध और भारतीय सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने की बात साबित हुई है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में प्राचार्य इनामुर्रहमान और डा. बेग की लापरवाही बताई गई है। उन्हें राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की जानकारी थी। वहीं, एक शिक्षक पर छात्राओं को रेस्टोरेंट व कैफे में बुलाने का आरोप भी लगा था। छात्र संगठन ने इसे लेकर कुछ फोटो भी समिति सदस्यों को उपलब्ध कराए हैं। समिति ने जांच रिपोर्ट में प्राचार्य पर इन गतिविधियों को संरक्षण देना बताया है। वहीं डा. बेग पर गंभीर लापरवाही बरतने की बात कही है। तीन शिक्षकों को राष्ट्र विरोधी मुद्दों पर चर्चा करने और भारत का गलत इतिहास पढ़ाने का दोषी पाया है। शिक्षा मंत्री ने इन शिक्षकों को कालेज से तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। इन शिक्षकों की नियुक्तियां जनभागीदारी समिति से हुई थी। शिक्षक तीन-चार वर्षों से कालेज में पढ़ा रहे थे। कालेज में विवाद खड़ा होने के बाद कई शिक्षकों ने संस्थान से दूरी बना रखी है। बीते सप्ताभर से कुछ शिक्षकों ने परिसर आना बंद कर दिया है। इसके चलते विद्यार्थियों की कक्षाएं नहीं लग रही हैं। अब प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि विद्यार्थियों का सिलेबस अभी पूरा नहीं हुआ है। उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव ने बताया कि जांच समिति ने सुबह रिपोर्ट सौंपी। अध्ययन करने के बाद समिति के सदस्यों से चर्चा की। मामला काफी गंभीर नजर आया तो तुरंत कालेज के पांच लोगों पर कार्रवाई की है, जिसमें प्राचार्य और सहायक प्राध्यापक की लापरवाही साबित हुई है। शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार की गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

प्राध्यापक की तलाश में खरगोन में छापे

लेखिका डा.फ़रहत खान की गिरफ्तारी के बाद प्राचार्य डा. इनामुर्रहमान और प्राध्यापक डा.मिर्जा मोजिज बेग की तलाश तेज हो गई है। गुरुवार को टीम ने मिर्जा की तलाश में खरगोन में छापे मारे। भंवरकुआं टीआइ शशिकांत चौरसिया के मुताबिक, डा.फ़रहत पुणे के रुबी हाल अस्पताल में भर्ती है। उसे जमानत पर रिहा कर पेश होने के लिए नोटिस दिया है। आरोपित इनामुर्रहमान और मिर्जा घर से फरार हैं। मिर्जा के बारे में खबर मिली है कि वह खरगोन चला गया है। पुलिस ने गुरुवार को संभावित ठिकानों पर छापे मारे, लेकिन वह हाथ नहीं आया। टीआइ के मुताबिक, पुलिस ने लाइब्रेरी का किताब खरीदी का रजिस्टर जब्त कर लिया है। कमेटी को पत्र लिख कर रिपोर्ट मांगी गई है।

स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन कल

अर्जुन एवं पद्मश्री अवार्डी हाकी खिलाड़ी धनराज पिल्ले का आगमन आज

जबलपुर, यशभारत। स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल की विजयनगर शाखा में अंतरराष्ट्रीय स्तर के अतिआधुनिक अंतराष्ट्रीय सुविधाओं से ओतप्रोत खेल प्रशाल का शुभारंभ करने पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी ंटीम इंडिया के कप्तान एवं अर्जुन एवं पद्मश्री अवार्डी धनराज पिल्ले का आज शाम को विमान से जबलपुर आगमन हो रहा है। श्री पिल्ले 10 दिसम्बर 2022 को स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल, विजय नगर सुबह 11 बजे स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ,विधायक अशोक रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी इन्द्र महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू मौजूद रहेंगे । स्कूल संचालक पर्व जायसवाल, श्रीमती सुप्रिया जायसवाल ने बताया कि इस खेल परिसर में आउटडोर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सेवन साइड सिंथेटिकफुटबॉल ग्राउंड में 10 दिसंबर से ही स्कूल स्तर के बच्चों की बेबी फुटबाल लीग प्रतियोगिता को शुभारंभ भी मुख्य अतिथि धनराज पिल्ले करेंगे। यह प्रतियोगिता मप्र फुटबाल संघ के सहयोग से की जाएगी। जिसमें 360 बच्चों शामिल होगें और फिर उनमें से प्रतिभावान खिलाड़ियों को चुनकर टीमें बनाई जाएंगी। और मैचा कराए जाएंगे।

जबलपुर ए ने बी को 07 विकेटों से हराया

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ के तत्वधान में अंतर जिला जिला अंडर 15 वर्षीय बालक वर्ग दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में एम पी सी ए क्रिकेट स्टेडियम में जबलपुर ए ने जबलपुर बी को 07 विकेटों से पराजित किया।जे डी सी ए सचिव धर्मेश पटेल ने बताया कि जबलपुर क्रने दूसरे दिन अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 08 रनों से आगे खेलते हुए सभी विकेट गंवा कर 180(50) रन बनाए, तथा जीत के लिए 66 रनों का लक्ष्य जबलपुर ए के सामने रखा,सक्षम वर्मा ने 54 रनों की शानदार पारी खेली, पियूष सिंह 32, साई समर्थ 21 तथा राघव ने 17 रनों का योगदान दिया। आरव्य चौबे ने 04 विकेट, आरव्य पटेल 02,आयूष सिंह, हिमांक तिवारी, रूद्र विश्वकर्मा व शांतनु शुक्ला ने 1-1 विकेट लिया।जबलपुर, ने 03 विकेट गंवा कर जीत के 67(13.4) रनों के लक्ष्य को हासिल कर 07 विकेटों से मैच जीता, कप्तान मलय लोहिया ने नाबाद 38 रन व तनिष्क यादव ने 18 रनों की पारी खेली। जबलपुर क्रसे सम्राट भामरा, पार्थ नेमा व पीयूष सिंह ने 1-1 विकेट लिया।

जबलपुर के प्रकाश की चाट

गैर शौक़ीनों को ख़बर छोटी लगेगी लेकिन शौक़ीनों के लिए ख़बर बड़ी है और ख़बर बुरी है कि जिनकी वजह से जबलपुर की चाट मशहूर हुई, जबलपुर की एक पहचान बनी, जबलपुर की एक ब्रांड बनी, उन प्रकाश गुप्ता (जयप्रकाश) का पांच दिसंबर दो हज़ार बाइस को निधन हो गया। शास्त्री ब्रिज चौराहे के नज़दीक प्रकाश की चाट तीन पीढ़ियों की लगभग 52 सालों तक पसंद बनी रही। दादा, पिता व उनके पुत्र और परिवार सप्ताह या माह में एक बार प्रकाश की चाट के चटकारे लेने एक बार ज़रूर उनके ठेले पर ज़रूर पहुंचते थे। मॉडल रोड बनने से पहले प्रकाश का चाट का ठेला पुराने मोटर स्टेंड से शास्त्री ब्रिज चौराहा मार्ग में नाले के ऊपर लकड़ी के पट्टे पर प्रतिदिन शाम को खड़ा होता था। मॉडल रोड बनने के बाद उनका ठेला विपरीत दिशा में इम्पीरियल होटल के नीचे पक्की दुकान में तो आ गया लेकिन ठेला प्रकाश चाट की पहचान बना रहा। इस ठेले से ही प्रकाश की पहचान बनी थी। ठेला उनके लिए शुभ था इसलिए दुकान होने के बावजूद उनके चाट का कारोबार ठेले से ही संचालित होता रहा।

जबलपुर में चाट की कई प्रसिद्ध ठेले या दुकानें हैं लेकिन जो बात प्रकाश की चाट की थी, वह कहीं नहीं देखने को मिलती। प्रकाश की चाट की कई हस्तियां मुरीद रहीं। इनमें शरद यादव व रघुवीर यादव जैसे लोग भी हैं। राजनीति, साहित्य, चिकित्सा, पत्रकारिता सभी क्षेत्र के लोग प्रकाश के ठेले में खड़े हो कर चाट खाते रहे हैं। जबलपुर से बाहर नौकरी या व्यवसाय करने वाले जब भी जबलपुर आते तो वे एक बार प्रकाश की चाट खाने ज़रूर जाते।

प्रकाश की चाट यूपी के पेटर्न पर बनती है। इसमें प्याज व लहसून नहीं रहता। इस वजह से जबलपुर के जैन व वैष्णव ग्राहक भी यहां की चाट खाने के शौकीन हैं। प्रकाश की चाट की एक खूबी यह रही कि इसका स्वाद है। पिछले बावन सालों में इसका स्वाद एक सा रहा है। उसमें कोई परिवर्तन नहीं आया। शायद यह प्रकाश की संगतता (consistency) रही।

-पंकज स्वामी

10वीं-12वीं की अर्धवार्षिक में पहली बार 90 प्रतिशत सिलेबस से पूछे जाएंगे प्रश्न

जबलपुर, यशभारत। स्कूलों में त्रिमासिक परीक्षाएं समय पर नहीं होने से दसवी-बारहवीं की अर्धवार्षिक परीक्षाएं प्रभावित हुई हैं। नवंबर में होने वाली परीक्षाएं इस बार दो महीने पिछड़ चुकी है। अब जनवरी पहले सप्ताह से पेपर रखे जाएंगे। परीक्षाओं का शेड्यूल बिगड़ने से शिक्षा विभाग ने पहली बार प्री-बोर्ड परीक्षा नहीं करवाने का फैसला लिया है। मगर बोर्ड परीक्षा में बैठने वालों की तैयारियां का स्तर अर्धवार्षिक परीक्षा के माध्यम से पता लगाएंगे, क्योंकि इन परीक्षाओं में 90 फीसद सिलेबस पूछा जाएगा। उसके आधार पर परीक्षा में प्रश्न आएंगे।दरअसल स्कूलों की मान्यता और विवाद निपटाने में विभाग को समय लगा। यहां तक स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया भी देरी से हुई। इसके कारण 2022-23 सत्र की त्रिमासिक परीक्षाएं अक्टूबर में संपन्न हुई है। नियमानुसार तीन महीने के भीतर अर्धवार्षिक परीक्षा करवाना होती है। परीक्षा शेड्यूल प्रभावित होने से विभाग को प्री-बोर्ड करवाने को लेकर दिक्कतें खड़ी हुई। अधिकारियों ने मंथन करने के बाद फैसला लिया कि प्री-बोर्ड के लिए समय नहीं बचा है इसके चलते अर्धवार्षिक परीक्षा को थोड़ा लेट करवाकर अधिकांश सिलेबस पूछने पर जोर दिया। सहमति बनने के बाद जनवरी में अर्धवार्षिक परीक्षा का शेड्यूल निकाला है।इस बीच नवंबर में स्कूलों को 90 प्रतिशत सिलेबस पढ़ाने के निर्देश दिए हैं। अब सरकारी और निजी स्कूलों में इन दिनों 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों का सिलेबस पूरा करवाया जा रहा है। 20-25 दिसंबर तक का समय रखा है। ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारियों के लिए थोड़ा समय मिल सके, क्योंकि एक से 20 जनवरी तक दसवीं और दो से 21 जनवरी तक बाहरवीं की अर्धवार्षिक परीक्षाएं होगी। इस बार प्री बोर्ड नहीं होगी। विद्यार्थियों की तैयारियों अर्धवार्षिक परीक्षा में करवाएंगे। इसके लिए स्कूलों को अधिकांश सिलेबस पूरा करवाने के निर्देश दिए है।

जे ओ सी जनरल इन चीफ मध्य कमान का दो दिनी दौरा एडमिस्ट्रेटिव और आपरेशनल तैयारियों का किया निरीक्षण

जबलपुर यशभारत। ले. जनरल योगेंद्र डिमरी अति विशिष्ट सेवा मेडल ,विशिष्ट सेवा मेडल जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ मध्य कमान ने कल और आज9 दिसम्बर को जबलपुर का दौरा किया।जनरल ओफिसर कमांडिंग ने मध्य भारत एरिया व उसके अधीनस्थ फोर्मेशंस मे चल रहे आपरेशनल और एडमिनिस्ट्रेटिव कार्यो का निरीक्षण कर समीक्षा की। जनरल आफिसर ने कोबरा फोर्मेशन मे चल रही ओपरेशनल तैयारियों के उच्च मानको को बनाए रखने के लिये सराहना की। आर्मी कमांडर ने जनवरी 2023 से आरम्भ होने वाली अग्निवीरो के प्रशिक्षण हेतु भी प्रशिक्षण केंद्रो द्वारा तैयार किये गये बुनियादी ढांचे का अवलोकन किया व उनमे किये गये सुधारों को सराहा । इस अवसर पर कोबरा फार्मेशन में आत्मनिर्भर भारत की और अग्रसर देश की इस कड़ी में मेक इन इंडिया और कौशल भारत के विचारों पर आधारित नवीन परियोजनाओं का प्रदर्शन भी किया गया। जनरल ओफिसर ने युनिट्स द्वारा नवीनतम तकनीक के आधार पर विकसित की गई परियोजनाओं की सराहना की और कहा कि कम लागत मे तैयार ये परियोजनाएं भारतीय सेना के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम होंगी तथा सेना के व्यापक एवम बृहद स्तर पर उत्पाद और सेवाओ को विकसित एवम वितरित करने तथा सेना के आधुनिकीकरण व विकासशील सिद्धांत की भी अनुपालना करेगी। उन्होंने सभी रैंकों को ओपरेशनल तत्परता के उच्च स्तर को बनाये रखने के लिये प्रोत्साहित किया।

ठंडक का अहसास रात से सुबह तक तीखा, दिन में गुदगुदाने वाला

जबलपुर, यशभारत। सर्दी अब जोर मारने लगी है। उत्तरी हवाओं ने शहर को एक बार फिर शीतलहर की चपेट में ला दिया है. य अनुमान है कि अगले एक-दो दिन में सर्दी और जोर पकड़ेगी. यहां न्यूनतम और अधिकतम और दोनों तापमान में गिरावट आई हैं। पिछले तीन दिनों से तो ठंडक का अहसास रात में तीखा तो दिन में गुदगुदाने वाला है। बर्फीली हवाओं से लोग एक बार फिर ठिठुरने लगे हैं। उत्तरी हवाओं की गति भी तीन से चार किमी प्रतिघंटा है। दिन में जहां लोग गर्म कपड़ों में लिपटे दिख रहे हैं वहीं रात में ठंड से बचने के लिए आग का सहारा लेते नजर आ रहे हैं। मौसम विज्ञानियों की मानें तो जल्द ही दिन भी और ठंडे होंगे। तीखी हवा का दौर दिन और रात में जारी रहेगा। दिन और रात के तापमान में लगातार गिरावट आ रही है । गुरूवार को को जहां दिन का तापमान सामान्य से दो डिसे कम 24.3 रहा वहीं रात का तापमान 4 डिसे नीचे 7.4 रहा। जो सीजन का सबसे कम तापमान है। शुक्रवार सुबह साढ़े 8 बजे तापमान11.2 रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक दिसंबर के पहले सप्ताह में ठंड ने लोगों को थोड़ी राहत दी थी पर अब यह ठंड सताने लगी है। आने वाले दो से तीन दिनों में ठंड बढ़ेगी।तापमान में अब लगातार गिरावट आएगी। मौसम विभाग के अनुसार जम्मू कश्मीर, लद्दाख आदि हिमालयीन क्षेत्रों में बर्फबारी होने से जबलपुर सहित मध्यप्रदेश में ठंड का असर बढ़ गया है। उत्तर भारत की तरफ से आ रही सर्द हवाओं के कारण अधिकतर जिलों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि ये ठंडक ज्यादा समय तक नहीं रहने वाली। हिमाचल पर बने पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार को आंशिक बादल छा सकते हैं, जबकि तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। गुरुवार की शाम आसमान पर छाए हल्के बादलों ने ये संकेत भी दे दिए हैं। बादलों से बदल सकता है मौसम-मौसम विभाग के अनुसार नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके उत्तर भारत में प्रवेश करने की संभावना है। इसके चलते शुक्रवार से न्यूनतम तापमान में फिर से आंशिक बढ़ोतरी हो सकती है और ठंड फिर कमजोर पड़ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी हवाओं की रफ्तार दिन भर परिवर्तित होती रही. सुबह से दोपहर तक तेज हवा चल रही थी. शाम को हवा की रफ्तार 2 किलोमीटर प्रतिघंटा हो गई. जबलपुर के मौसम केन्द्र प्रभारी बीजू जॉन जैकब के अनुसार गुरुवार को यहां अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान सामान्य से कम रहे. अगले दो दिन तक यही स्थिति रहेगी, जिसके बाद तापमान में उछाल आएगा.

फुटपाथ पर रात बिताने वालों को बस स्टैण्ड के वेटिंग हॉल में रात्रि विश्राम की व्यवस्था बनाई गयी : महापौर

नागरिकों को बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए जे.सी.टी.एस.एल. की बोर्ड बैठक अतिशीघ्र

- कठौंदा स्थित निर्माणाधीन बस डिपो का निरीक्षण
- रैन बसेरा में महिला ऑपरेटर की नियुक्ति होगी
- सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सिक्योरिटी गार्ड भी लगाये जायेगें

जबलपुर,यशभारत। जबलपुर सिटी ट्रांसपोर्ट कम्पनी के अंतर्गत कठौंदा में बस डिपो का निर्माण कराया जा रहा है। जिसका निरीक्षण आज महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के द्वारा किया गया और शीघ्र निर्माणाधीन कार्यो को निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ सुरक्षा के सभी मापदण्डों को समाहित करते हुए पूर्ण कराने अधिकारियों को दिये गए। महापौर ने बस डिपो के निरीक्षण उपरांत आईएसबीटी बस स्टैण्ड, उद्यान, रैन बसेरा, ऑटो चार्जिंग मशीन स्थल, के साथ-साथ बस स्टैण्ड के वेटिंग हॉल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सभी व्यवस्थाओं में पब्लिक आवश्यकताओं को देखते हुए सुधार लाने के निर्देश देते हुए कहा कि अभी वर्तमान में शीतकालीन का समय चल रहा है। शीतकालीन को देखते हुए शहर के सभी चौराहों, सार्वजनिक स्थलों एवं फुटपाथ पर खुले आसमान के नीचे सोने वाले बेसहारा गरीब लोगों को उठाकर रात्रि विश्राम के लिए हॉल में शिफ्ट कराये जायें। महापौर ने रैन बसेरा को भी और अधिक व्यवस्थित करने और वहॉ पर महिला डेस्क की व्यवस्था करने के निर्देश देते हुए कहा कि रैन बसेरा में संधारित रजिस्टर पंजी को भी व्यवस्थित रूप से अपडेट रखें और सारी जानकारियॉ प्रतिदिन रूकने वाले यात्रियों का रजिस्टर में दर्ज करते हुए रिकार्ड रखें।

आईएसबीटी में यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश

आईएसबीटी में जल्द ही यात्री सुविधाओं में इजाफा किया जाएगा। उक्ताशय के निर्देश महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने आईएसबीटी का निरीक्षण करने के बाद दिए। उन्होंने कहा कि कठौंदा के पास बन रहे बस डिपो का निर्माण व जल्द कराया जाए। महापौर ने आईएसबीटी बस स्टैण्ड, उद्यान, रैन बसेरा, ऑटो चार्जिंग मशीन स्थल के साथ ही बस स्टैण्ड के वेटिंग हॉल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के अवसर पर जेसीटीएलएस की के सचिन विश्वकर्मा ने आईएसबीटी परिसर लो में स्थाई पुलिस चौकी की व्यवस्था कराने की मॉग की। महापौर ने कहा कि इस संबंध में विभागीय स्तर की पर प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर व्यापारी संघ आर के अध्यक्ष किशोर तिवारी ने आम नागरिकों और व्यापारियों की समस्या से अवगत कराया।

ज.ने.कृ.वि.वि. में युवा महोत्सव का शानदार आगाज

22वीं अन्तर महाविद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिता में म.प्र. के 10 महाविद्यालय के प्रतिभागी होंगे शामिल

जबलपुर। आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा की सप्रेरणा एवं मार्गदर्शन में 22 वे अन्तर महाविद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिता युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन आज सरदार वल्लभ भाई पटेल सभागार, कृषि महाविद्यालय, कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि संकाय ने की । विशिष्ट अतिथि डॉ. जी. के. कौतू संचालक अनुसंधान सेवाऐं, डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक विस्तार सेवाऐं एवं डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक शिक्षण, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय, डॉ. दीप पहलवान, संचालक प्रक्षेत्र, रेवा सिंह सिसोदिया, कुलसचिव व्ही. एन. बाजपेई, लेखा नियंत्रक होंगे। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि 2 दिवसीय युवा महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधयाँ जैसे ललित कला, भाषण, तात्कालिक भाषण, वाद-विवाद, एकल अभिनव एकल गायन, देशभक्ति गीत, समूहगायन, प्रश्न मंच, एकांकी, ललित कला स्किट, मूक अभिनय, समूह लोक नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित होगी। इस हेतु विश्वविद्यालय अंतर्गत संचालित कृषि अभियांत्रिकी, कृषि महाविद्यालय एवं हार्टिकल्चर महाविद्यालय के लगभग 180 प्रतिभागी भाग रहे हैं।

15 से एक माह थमेंगे विवाह समारोह

जबलपुर यशभारत। पंचांगीय गणना के अनुसार 15 दिसंबर को तड़के 4 बजकर 42 मिनट पर सूर्य देव वृश्चिक राशि को छोड़कर धनु राशि में प्रवेश करेंगे।धनु राशि में सूर्य का प्रवेश धनु संक्रांति कहलाएगी। धर्मशास्त्र के जानकारों के अनुसार धनुर्मास में एक माह तक विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होंगे। यह महीना धर्म आराधना व तीर्थाटन के लिए विशेष माना गया है। धर्मशास्त्र व निर्णय सिंधु में सूर्य की संक्रांतियों के संबंध में अलग-अलग बातें कही गई हैं। इनमें सूर्य की धनु संक्रांति विशेष बताई गई है। क्योंकि धनु संक्रांति में ही पौष मास आता है और पौष मास में सूर्य की आराधना विशेष बताई गई है। ऐसी मान्यता है कि धनु राशि के सूर्य की साक्षी में धर्म तथा तीर्थ यात्रा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। क्योंकि प्राकृतिक दृष्टि कोण से इसी दौरान हिमपात, शीतलहर, ठंड का बदला हुआ प्रभाव दृष्टिगत होता है। धर्म, तपस्या तथा आराधना के मान से इसी समय मनुष्य की परीक्षा होती है। धनु संक्रांति के परिभ्रमण में सनातन धर्म का पालन करने वाले श्रद्धालु निरंतर भगवत भजन करते हुए अपनी साधना उपासना को आगे बढ़ाते हैं, इससे उन्हें आदित्य लोक की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के कई ग्रंथों में धनु राशि के सूर्य के संबंध में धार्मिक तथा शास्त्रीय महत्व की अलग-अलग बाते उल्लेखित हैं। किंतु मूल रूप से बृहस्पति की राशि धनु में जब सूर्य का प्रवेश होता है, तो वह धर्म आध्यात्म व संस्कृति से संबंधित परिस्थितियों में परिवर्तन करते हुए नए काल खंड का निर्माण करता है। इसी कारण महर्षियों ने सूर्य की धनु संक्रांति में भगवत भजन, कथा श्रवण तथा तीर्थ यात्रा का विशेष महत्व बताया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत हितलाभ पाकर खिले हितग्राहियों के चेहरे

मानस भवन में आयोजित समारोह में 396 हितग्राहियों को 3 करोड़ 40 लाख की राशि का वितरण

जबलपुर, यशभारत। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आज गुरुवार को जबलपुर शहर के 396 हितग्राहियों के बैंक खाते में पहली, दूसरी और तीसरी किश्त के रूप में 3 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंदसौर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के जरिये अंतरित की । प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभांवित ये सभी हितग्राही यहाँ मानस भवन में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में मौजूद थे । नगर निगम द्वारा आयोजित इस समारोह में महापौर जगत बहादुर सिंह च्चअन्नूज्ज, केन्ट क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, जबलपुर उत्तर के विधायक विनय सक्सेना, नगर निगम अध्यक्ष रिंकूज विज एवं नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल मौजूद थे । समारोह में इन अतिथियों द्वारा भी प्रतीक के तौर पर हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिये उनके खाते में अंतरित की गई किश्त की राशि के प्रमाण-पत्र सौंपे तथा उन्हें बधाई दी । जिला स्तरीय समारोह में मंदसौर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया । महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि हितग्राहियों को संकट के समय संबल मिले इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं योजनाऐं। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों को सभी योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि परिवार का सहारा अब सरकार बन रही है, अब परिवार के साथ सरकार ख?ी है एवं जिन्हें भी अभी लाभ नहीं मिला उन्हें जल्द ही योजनाओं के प्रावधानों के अनुरूप लाभ दिलाया जाएगा। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', केन्ट क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, उत्तरमध्य क्षेत्र के विधायक विनय सक्सेना, निगमाध्यक्ष रिंकू विज, नेताप्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल आदि ने सभी लाभांवित हितग्राहियों को लाभांश पाने के लिए शुभकामनाऐं दी एवं स्वाभिमान के साथ जीवकोपार्जन करने की शुभकामनाऐं दी। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्षद वकील अंसारी, श्यामा कनौजिया, सुश्री कृष्णा दास चौधरी, श्यामा परवीन, शमरीन कुरैसी, एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिकारियों जिसमें निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ, उपायुक्त मनोज श्रीवास्तव, प्रधानमंत्री आवास योजना प्रभारी सुनील दुबे, आदि की उपस्थिति रहे।

सड़क सुरक्षा सप्ताह

एसपी ऑफिस सहित सभी थानों में पुलिस–आम नागरिकों ने ली शपथ, करेंगे अपने कर्तव्यों का निर्वाहन

जबलपुर, यशभारत। सड़क सुरक्षा को लेकर आम लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से आज शक्रवार को सुबह 11 बजे एसपी ऑफिस और शहर व देहात थाना क्षेत्रों में सभी पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों सहित आम नागरिकों को शपथ दिलाई गई। ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके।

वर्तमान में स्थिति यह है कि यातायात व्यवस्था करीब-करीब पटरी से उतर चुकी है। जिसके कारण आए दिन सड़कें लहू से लाल हो रहीं है। यह पुलिस प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में अगर सभी यातायात नियमों का पालन करते हुए सड़कों पर वाहन चलाएं तो अनेक मासूमों की जिंदगी बचाई जा सकती है। पुलिस मुख्यालय,भोपाल के आदेशानुसार एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक कार्यालय जबलपुर सहित जबलपुर जिले के समस्त थाना प्रभारी शहर एवं देहात तथा रक्षित निरीक्षक द्वारा थानों एवं पुलिस लाइन में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों से तथा थाना यातायात थाना प्रभारियों के द्वारा आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से शपथ दिलाई गई। जिसमें आम नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

यातायत नियमों की दिलाई शपथ लोगों को किया जागरूक

पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल के आदेश अनुसार पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप shende के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं से होने वाले मौत की कमी लाने के उद्देश्य से थाना यातायात दुडुहद्धडु थाना प्रभारी हेमंत बरैया द्वारा त्रिपुरी चौक गढ़ा में करीब 100 लोगों की उपस्थिति में यातायत नियमों की शपथ दिलाई गई एवं यातायात नियमों के प्रति जन जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

कुख्यात बदमाश ने करोड़ों की शासकीय जमीन प्लाटिंग कर बेच दी

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर का कुख्यात बदमाश गोल्डी सोनकर ने नयागांव पहाड़ी के पास स्थित सरकारी जमीन को बिल्डर बनकर बेच डाली। इतना ही नहीं अनेक लोगों ने तो यहां पर रहना भी शुरु कर दिया है। सूचना पर तहसीलदार और गोरखपुर थाना प्रभारी नयागांव पहाड़ी पर जब पहुंचे, तो देखा कि शासकीय जमीन पर प्लॉटिंग हो रही है। वहीं, सरकारी जमीन पर पानी के लिए दो बोरिंग भी किए गए हैं, जो कि अवैध है। गोरखपुर थाना प्रभारी एसपीएस बघेल के अनुसार मामले में राजस्व विभाग कार्रवाई करेगा। शासकीय जमीन पर मकान बनाकर रहने वालों से जब पुलिस ने पूछताछ कि तो बताया गया कि गोल्डी सोनकर ने अपने आपको बिल्डर बताया और फिर सरकारी जमीन पर प्लॉट काटकर 1 लाख रुपए से डेढ़ लाख रुपए तक में बेचा है। गोल्डी सोनकर ने सरकारी जमीन को बेचने के बाद वहां रहने वाले लोगों के लिए बाकायदा पानी की व्यवस्था के लिए बोरिंग भी करवा दी। इतना ही नहीं वहां पर स्थायी सड़क भी निकाल दी। गोरखपुर थाना प्रभारी एसपीएस बघेल को जब सूचना मिली कि शासकीय जमीन पर बदमाश गोल्डी सोनकर बिल्डर बनकर कब्जा कर लिया है और लोगों को कम कीमत में प्लॉट और मकान दे रहा है, तो इसके बाद तहसीलदार को लेकर पहुंचे। बताया जा रहा है कि करीब दो से तीन एकड़ सरकारी जमीन पर गोल्डी सोनकर प्लॉटिंग कर चुका था और धीरे-धीरे जमीन को बेचने का काम कर रहा है।

रांझी में बड़ा हादसा टला
ईंट से भरी ट्राली पलटी बाल–बाल बचे राहगीर

जबलपुर, यशभारत। रांझी के दर्शन तिराहे पर आज शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां ईंटों से भरी ट्राली अचानक पलट गयी। आनन-फानन में चालक , वाहन को छोड़कर भाग खड़ा हुआ। गनीमत यह रही कि जिस वक्त यह हादसा हुआ रोड पर ज्यादा ट्रेफिक नहीं था। लेकिन घटना के बाद दोनों ओर से ट्रेफिक जाम हो गया। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला कायम कर, स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 709 ट्रॉली क्रमांक एमपी 20 जीए 4765 का चालक मनोज कोल पिता नाथुकोल उम्र 29 वर्ष, निवासी मानेगांव दर्शन तिराहे से वाहन को ले जा रहा था। अचानक ट्राली अनियंत्रित हो गयी और मुख्य मार्ग पर ही पटल गयी। हादसे में ट्राली में मौजूद मजदूर बाल-बाल बच गये। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्टेशन में खेलते खेलते चढ़ गया ट्रेन में ,गाडरवारा में जीआरपी को मिला

जबलपुर यश भारत। आज सुबह मदन महल रेलवे स्टेशन में एक 6 वर्ष का बच्चा खेलते खेलते जबलपुर से इटारसी की ओर जा रही किसी अज्ञात ट्रेन में सवार हो गया गाडरवारा पहुंचने के बाद जब जीआरपी ने उसे देखा तो पूछताछ की गई जिसके बाद मदन महल के एक समाजसेवी की मेहनत के बाद परिजनों को खोज निकाला इसके बाद उनके सुपुर्द कर दिया इस संबंध में गाडरवारा जीआरपी थाना प्रभारी राजेश राज ने जानकारी देते हुए बताया कि आज सुबह एक 6 वर्ष का बच्चा गाडरवारा स्टेशन में घूमते हुए दिखा तब उससे पूछताछ की गई उसने अपना नाम मदन महल निवासी सत्यम बताया जिसके बाद गाडरवारा जीआरपी में मदन महल की समाजसेवी प्रदीप पटेरिया से संपर्क किया गया पटेरिया को इस मामले की जानकारी होने के बाद उन्होंने बच्चे के परिजनों की काफी तलाश की तब कहीं जाकर इसका पता चला परिजनों ने उसको बताया कि बच्चा आज सुबह मदन महल स्टेशन के पास खेलने के लिए गया हुआ था जिसके बाद जीआरपी में प्रारंभिक कार्रवाई के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

मदन महल के एक समाजसेवी की मेहनत के बाद किया गया परिजनों के सुपुर्द

शहर में खप रहा कटनी का गांजा

बुलेट से आ रही थी गांजे की खेप

जबलपुर, यशभारत। शहर में कटनी से गांजे की बड़ी खेप आ रही है। जिसके बाद रांझी और पनागर पुलिस सहित क्राइम ब्रांच ने तीन गांजा तस्करों को एक लाख का खेप के साथ दबोच लिया। आरोपी कटनी से बुलेट में सवार होकर ग्राहक को गांजा स्पलाइ करने आ रहे थे। तभी धर लिए गए। तीनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने बताया कि देर रात क्राईम ब्रांच को सूचना मिली कि सिहोरा तरफसे बुलट बाइक में दो तस्कर गांजे की खेप लेकर आ रहे है। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर क्राईम ब्रांच के साथ सिहोरा एन एच 30 रोड पर दबिश दी। जहां पुलिस को देखकर भाग रहे बुलेट सवार शक्ति सिंह पिता माधवसिंह 21 वर्ष निवासी कटनी तथा अभिषेक कुशवाहा पिता भगवान दास कुशवाहा 20 वर्ष निवासी कटनी को दबोचकर 7 किलो गांजा जब्त किया। तो वहीं , रांझी बड़ा पत्थर में मुस्तैद पुलिस ने आकाश उर्फ गंगू यादव को दबोच लिया। जिससे पास से 1 किलो 400 ग्राम गांजा सहित मोबाइल एवं नगद 1 हजार 800 रूपये जब्त किए गए।

पनागर, रांझी में 3 तस्करों को दबोचा, एक मोबाइल, नगदी सहित करीब 1 लाख का गांजा बरामद

सेवा में विलंब के आरोप में सीएमओ कटंगी पर अर्थदण्ड

जबलपुर यशभारत। लोक सेवा प्रदाय की गारंटी अधिनियम के तहत तय समय सीमा के भीतर आवेदकों को सेवायें प्रदान न करने के आरोप में कटंगी नगर परिषद मुख्य नगर पालिका (सीएमओ) अधिकारी पर कलेक्टर सौरभ सुमन द्वारा अर्थदण्ड दिया गया।

कलेक्टर ने अपने न्यायालय में चल रहे प्रकरण में फैसला देते हुये सीएमओ कटंगी को सेवायें देने में बिलम्ब का दोषी पाया है तथा उन पर 1 हजार 250 रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। लोक सेवा प्रदाय की गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय पर सेवायें नहीं देने का यह प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में दिसम्बर 2021 में प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण के अनुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी कटंगी के अधिकार क्षेत्र में दो आवेदन तय समयावधि के बाद भी लंबित पाये गये थे। इनमें से पहले आवेदन में दो दिन का तथा दूसरे आवेदन में तीन दिन का बिलम्ब सेवायें देने में बिलम्ब हुआ। सेवायें देने में बिलम्ब होने के इस प्रकरण में कलेक्टर न्यायालय द्वारा सीएमओ को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया लेकिन वे नोटिस का संतोष जनक जबाब नहीं दे सके। उन्हें लोक सेवा प्रदाय की गारंटी अधिनियम के प्रति गम्भीरता प्रदर्शित नहीं का दोषी पाया गया। कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने दोनों आवेदनों में पहले में दो दिन का बिलम्ब होने पर 250 रुपये प्रतिदिन के मान से 500 रुपये तथा दूसरे में तीन दिन का बिलम्ब होने पर 250 रुपये प्रतिदिन के मान से 750 रुपये तथा कुल 1 हजार 250 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया। उन्होंने नगर परिषद कटंगी के सीएमओ को अर्थ दण्ड की राशि चालान से जमा कर कलेक्टर न्यायालय को सूचित करने के आदेश दिये हैं।

20 हजार के लिए नवविवाहिता को घर से निकाला

जबलपुर, यशभारत। विवाह का पवित्र बंधन चंद चांदी के सिक्कों के आगे बौने साबित हो रहे है। जिसका एक मामला महिला थाने में उस वक्त सामने आया जब ससुराल पक्ष ने महज 20 हजार रुपये रकम की खातिर नवविवाहिता से मारपीट कर घर से बेदखल कर दिया। जिसके बाद रोते हुए थाने पहुंची पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 20 वर्षीय पीड़िता निवासी बड़ी खेरमाई ने बताया कि उसका विवाह करीब एक वर्ष पहले हुआ था। शादी के बाद से ही पति अजय दाहिया सहित सास और ननद उसे दहेज के लिए ताने मारने लगे। जबकि विवाह के दौरान उसके पिता ने हैसियत के हिसाब से दहेज दिया था। उसके बाद भी ससुराल पक्ष जबरन शारीरिक और मानसिक प्रताड़ित कर दहेज की मांग कर रहा है। प्रकरण दर्ज होते ही पुलिस आरोपियों को सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है।

इंटरनेशनल ओशो म्युजिक फेस्टिवल का शुभारंभ आज

जबलपुर यशभारत। संस्कारधानी में 9 से 12 दिसंबर तक इंटरनेशनल ओशो म्युजिक फेस्टिवल की धूम मचेगी। ओशो होम, भेडाघाट में यह आयोजन होगा। इसके लिए कार्यक्रम स्थल नगर परिषद भेडाघाट हैलीपेड स्टेडियम में व्यापक तैयारी की गई है। विश्वप्रसिद्ध धुंआधार जलप्रताप के समीप यह आयोजन नयनाभिराम होगा। शुक्रवार, 9 दिसंबर को प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक पंजीयन होगा। दोपहर 3 बजे साइलेंट सिटिंग के साथ आयोजन का शुभारंभ हो जाएगा। स्वामी श्रीला प्रेम पारस सवा बजे कुंडलिनी मेडिटेशन कराएंगे। सांय 6.30 बजे स्वामी अविनाश भारती व्हाइट टोब ब्रदरहुड कराएंगे, इसमें स्वामी श्रीला प्रेम पारस का भी सानिध्य लाभ मिलेगा। रात्रि 8 बजे स्वामी श्रीला प्रेम पारस व स्वामी अविनाश भारती लाइव म्युजिक ओशो संन्यासी बेंड की प्रस्तुति देगें। 8.30 बजे डिनर के बाद रात्रि 9.30 बजे सेलिब्रेशन व मेडिटेशन होगा। शुभारंभ अवसर पर विदेशों में धूम मचा चुका अंतर्राष्ट्रीय कीर्तन बैंड अंनता संघ धमाल मचाएगा। कैनेडा, इंग्लैंड, जर्मनी, फिलीपींस व भारत में इसके कंसर्ड चर्चित रहे हैं। स्वामी श्रीला प्रेम पारस आशो होम में ओशो की संगमरमरी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठित करेगें।

विश्व प्रसिद्ध जलप्रताप धुंआधार के समीप भेडाघाट नगर परिषद हैलीपेड स्टेडियम में मचेगी उत्सव की धूम

पुलिस ने एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया, दूसरा फरार

शोहदे ने 10 वीं की छात्रा को चाकू से गोदा

जबलपुर, यशभारत। घमापुर के द्वारका नगर में कोचिंग जा रही 10 वीं की छात्रा से पहले तो शोहदे ने प्यार का इजहार किया। लेकिन जब छात्रा ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे चाकुओं से गोदकर फरार हो गया और अपनी मोपेड भी वहीं छोड़कर भाग गया। आनन-फानन में किशोरी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीव्ही कैमरे में भी कैद हो गयी। पुलिस ने 307 का मामला दर्ज कर सरगर्मी से तलाश कर एक नाबालिग आरोपी को अभिरक्षा में लिया है। वहीं दूसरे की तलाश जारी है। पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि द्वारका नगर में चाकूबाजी की घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को किशोरी ने बताया कि वह कोचिंग जा रही थी। जब एक नाबालिग आया और उसे बुलाकर ले गया। जहां शोहदा मिला और अभद्रता करने लगा। उसने जब विरोध किया तो चाकु से दनादन वार कर लहूलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गया। हड़बड़ाहट में आरोपी अपनी मोपेड भी वहीं छोड़कर भाग गया। मुस्तैद पुलिस ने कार्रवाई कर एक नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया है। जिसके बिनाह पर दूसरे मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस की मानें तो जल्द ही आरोपी को दबोच लिया जाएगा।

राज्य सीनियर कुश्ती में जिले के पहलवानों ने जीते स्वर्ण, रजत व काव्य पदक

जबलपुर यशभारत। गत 03 एवं 04 दिसम्बर को हरदा में सम्पन्न हुई ऑलम्पिक - शैली की म.प्र. राज्य स्तरीय सीनियर कुश्ती (पु. एवं महि.) में जबलपुर जिला टीम के शुभम सिंह (79 कि. फ्री) ने स्वर्ण पदक तथा करन चक्रवर्ती (65) कि. फी.), विवेक सिंह (61 कि. फी.), अवध केशरबानी (63 कि. ग्री.), में रजत एवं विशाल चक्रवर्ती (55 कि. फ्री.), अक्षय (74 कि. फी.), शुभम सिंह (55 कि. ग्री.) में काष्य पदक एवं महिला वर्ग में कुमारी परिदिता ठाकुर (65 कि. फी.), ने स्वर्ण पदक, आकांक्षा तिवारी (76 कि. फ्री.) ने रजत पदक जीतने का श्रेय अर्जित किया। जिला कुश्ती संघ के सचिव कुश्ती विश्वामित्र उमाशंकर पटेल की उपस्थिति में टीमों के मनोनीत को मैनेजर में सर्व श्री जनार्दन सिंह (अन्तराष्ट्रीय कोच) प्रवीण पांडे, राजेश राजपूत, राकेश यादव तथा अजय ठाकुर ने सराहनीय भूमिका का निर्वाह किया। ज्ञातव्य होवे कि इस टीम के अधिकांश पहलवान सरस्वती शिशु मंदिर गढ़ा फाटक में स्थित साई कुश्ती केन्द्र में उमाशंकर पटेल व राजेश राजपूत के दिशा निर्देशन में अभ्यास कर रहे है। जबलपुर के इन पदक विजेता पहलवानों को कुश्ती प्रेमी व सक्रिय समाजसेवी भाई जय घनघोरिया, राजेन्द्र अग्रवाल (संचालक बालाजी ट्रांसपोर्ट) निगम के उपसभापति पार्षद पं. अयोध्या तिवारी (बंटी भैया), नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल पार्षद संतोष दुबे, अर्न्तराष्ट्रीय पह. नरेन्द्र शर्मा, रंजीत रान, पवन चक्रवर्ती, जितेन्द्र राजपूत, पह. रब्बू यादव, प्यारेलाल, जगदीश कैथल इत्यादि जनों ने बधाई दी।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग (भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या: EPS/48/2022)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/ डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्देशन के लिए वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	निविदा मात्रा
1	30221537A	Rubber pad for primary suspension	4143 Nos.
2	38224192A	FRICTION WEDGE (BLC)	1080 Nos.
3	38222244	BRACKET FOR EMPTY LOAD CHANGE OVER	1780 Nos.
4	38224191	Reflector indicator board	582 Nos.
5	38223568A	Non-asbestos K-type Composition Brake Blocks	26682 Nos.
6	38223562B	BRAKE SLACK ADJUSTER	320 Nos.
7	40222199	V- Deep groove axle pully	538 Nos.
8	40222752	Voltage phase control	320 Nos.
9	81225177	HEXAGONAL HEAD BOLT PART	7150 Nos.
10	81225116	STAINER FILTER OUTER	265 Nos.
11	81225262	HYDRAULIC RETURN HOSE	3200 Metre
12	81225252	ELEMENT AIR CLEANER/ FILTER	188 Nos.
13	81225219	wear plate part	196 Nos.
14	81225193	CSK NIB BOLT	15300 Nos.
15	81225143	GFN Liner 52 Kg T-3702	160505 Nos.
16	81225002	Manufacture and Supply of Glass filled	84452 Set.
17	10222534B	Glass Fibre Bag	265 Nos.
18	20222078	IOH KIT COMMON ITEMS/COMPONENTS	21 Set.
19	40215044A	Cadmium Copper catenary wire	9.5 MTR
20	40221088	Flexible Elastomeric cable single core	203 MTR
21	50225218	Digital Axle Counter Multi Section Type	1 Set.
22	50225216	Digital Axle counter MULTI section type	1 Set.

खोलने की तिथि क्रमांक 1 से 16–**05.01.2023,** क्रमांक 17 से 22–**09.01.2023.**

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, प.म.रे., जबलपुर

वैक्सीन अवश्य लगवाएं, जीवन के हर सफर को सुरक्षित बनाएं!

संपादकीय

आप का बढ़ता कद

अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नगर निगम चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद दूसरे ही दिन एक और रिकार्ड बनाया है। भले ही उनकी पार्टी हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई हो लेकिन उनकी पार्टी ने राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल कर लिया है। एमसीडी चुनाव में दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी पर भरोसा जताया। जिस डबल इंजन के मंत्र पर राज्यों में भाजपा वोट मांगती रही थी, उसी डबल इंजन सरकार के अस्त्र से आप ने भाजपा को शिकस्त दे दी। इस चुनाव में ऐसी 'झाड़ू' चली कि न केवल पंद्रह साल से एमसीडी पर काबिज भाजपा साफ हुई बल्कि कांग्रेस भी दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच सकी। हालांकि, इस चुनाव में भाजपा ने पूरी जान लगा दी थी। पिछले दिनों तीन नगर निगमों को मिलाकर एक किया गया। जिससे कुछ सीटें भी कम हुई और चुनाव भी छह महीने देर से हो पाये। इतना ही नहीं, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री लगातार जनता को भरोसा दिलाने की कोशिश करते रहे। उन्होंने धुआंधार रैलियां, रोड शो व नुक्कड़ सभाएं की, लेकिन छोटी सरकार बनाने लायक बहुमत नहीं मिल पाया। अपनी तरफ से भाजपा ने भरपूर प्रयास किये लेकिन पार्टी पार्षदों का आंकड़ा 104 तक ही पहुंच पाया। वहीं आप ने 134 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। आम आदमी पार्टी का यह दूसरा एमसीडी चुनाव था। पिछले चुनाव में वह कांग्रेस को पीछे छोड़कर भाजपा की प्रतिद्वंद्वी बनी। इस बार भाजपा को सत्ता सुख से वंचित कर दिया। इस चुनाव में उसका वोट प्रतिशत भी चालीस पार चला गया। लोगों ने राज्य व एमसीडी में आप की डबल इंजन सरकार पर भरोसा जताया। भाजपा जहां नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय मुद्दों पर चुनाव लड़ती रही, वहीं आप ने दिल्ली के स्थानीय मुद्दों को तरजीह दी। आप ने भांप लिया कि जनता सफाई, कूड़े के ढेर और सस्ते-बिजली पानी के मुद्दों को प्राथमिकता देती है। केजरीवाल ने स्थानीय मुद्दों पर चुनाव लड़ा और कामयाबी पाई। यह बात ठीक है कि पंद्रह साल से एमसीडी में राज कर रही भाजपा के खिलाफ मोहभंग का कारक भी काम कर रहा था, जिसकी कीमत पार्टी ने इस चुनाव में चुकाई। दरअसल, एमसीडी चुनाव में केजरीवाल का साफ-सफाई का वायदा काम कर गया। वहीं जनता ने भाजपा के नकारात्मक प्रचार को भी पसंद नहीं किया। आप ने चुनाव में कूड़े को बड़ा मुद्दा बनाते हुए भाजपा की तरीके से घेराबंदी की। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि पार्टी दिल्ली की प्रतिष्ठा पर दाग बने गाजीपुर व अन्य लैंडफिल साइट्स पर बने कूड़े के पहाड़ों का निस्तारण करेगी। चतुर सुजान केजरीवाल को अहसास था कि लोगों में सफाई को लेकर रोष है, जिसे वोटों में तब्दील किया जा सकता है। जिसे भाजपा समर्थक भी महसूस कर रहे थे। मुफ्त-बिजली पानी के सदाबहार मुद्दे भी आप का एक चुनावी अस्त्र रहा है, जिसका असर भी चुनाव में दिखा। जिसके चलते मतदाताओं ने दिल्ली की छोटी सरकार के लिये आप को जमकर वोट दिया। जिसे दिल्ली के लोगों के लोकसभा, विधानसभा व एमसीडी में अलग वोट पैटर्न से हटकर नये बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। जो भाजपा के लिये खतरे की घंटी भी कही जा सकती है। कह सकते हैं कि भाजपा का तीनों एमसीडी को एक करने का दांव भी विफल रहा है। वहीं गुजरात चुनाव में आप की सक्रियता रोकने के लिये इसी दौरान दिल्ली एमसीडी के चुनाव कराने का केंद्र सरकार का पैंतरा भी काम नहीं आया। वहीं चुनाव में भाजपा का चार पसमांदा मुस्लिमों को टिकट देने का दांव भी नहीं चला। जबकि आप को मुस्लिम मतदाताओं का बंपर वोट मिलने की बात कही जा रही है। इन वोटरों की प्राथमिकता हमेशा ही भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ खड़े मजबूत पार्टी प्रत्याशी को वोट देने की रही है। आप ने भाजपा के उन इलाकों में भी सेंध लगाई जिन्हें भाजपा के मजबूत गढ़ माना जाता था। पश्चिमी दिल्ली के कई इलाकों में आप ने बढ़त बनायी, जहां भाजपा का दबदबा हुआ करता था।

बीमार सोच से होनी चाहिए लड़ाई

लगभग साल भर पहले सिनेमाघरों में प्रदर्शित फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फिर चर्चा में है। इस बार विवाद इस बात पर नहीं है कि फिल्म में दिखाया क्या गया, बल्कि विवाद एक बयान को लेकर हो रहा है जो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के एक इस्राइली फिल्मकार ने दिया है। गोवा में आयोजित 'इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया' के जूरी के अध्यक्ष नादेव लापिड ने 'कश्मीर फाइल्स' के बारे में एक तीखी टिप्पणी की थी।

फेस्टिवल में दिखाई गयी पंद्रह फिल्मों में से एक इस फिल्म को उन्होंने 'वल्गर' और 'प्रोपेगेंडा' फिल्म कहकर इस पर सवाल उठाया था कि इसे पंद्रह फिल्मों में शामिल क्यों किया गया। उनके इस बयान पर कुछ तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आयी हैं। ये दोनों शब्द उन्हें स्वीकार्य नहीं हैं जो नब्बे के दशक में हुए कश्मीरी पंडितों के संहार और पलायन से व्यथित हैं। कुछ को तो इस्राइली फिल्मकार के बयान के पीछे 'अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र' भी दिख रहा है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि कश्मीरी पंडितों का संहार और पलायन हमारे समय का एक ऐसा सच है जिससे मनुष्यता कलंकित हुई है। इस कांड का किसी भी दृष्टि से समर्थन नहीं किया जा सकता। लेकिन समर्थन इस बात का भी नहीं होना चाहिए कि एक फिल्म को लेकर की गयी टिप्पणी मनुष्यता के खिलाफ अभियान का हिस्सा मान ली जाये। लापिड ने टिप्पणी फिल्म की विषय-वस्तु के प्रभाव के बारे में की थी, तथ्य की वास्तविकता के बारे में नहीं। उन्होंने फिल्म की तथ्यात्मकता के बारे में भी उंगली नहीं उठायी है। ऐसे में, अभिव्यक्ति के उनके अधिकार पर सवालिया निशान लगाना आसानी से समझ में आने वाली बात नहीं लगती। गोवा फिल्म फेस्टिवल के जूरी के अध्यक्ष के नाते लापिड ने जो कुछ कहा, वह उनके अधिकार-क्षेत्र में आता है। इस संदर्भ में इस्राइली राजदूत की टिप्पणी भी कुछ हैरान ही करती है। शायद अपने देश के राजनयिक हितों को देखते हुए उन्होंने लापिड के कथन की आलोचना की होगी, पर उनका यह कहना कि लापिड के कथन से वे शर्मिंदा हैं, आसानी से समझ नहीं आता। राजदूत की इस टिप्पणी का जवाब देते हुए लापिड ने उनके इस बयान पर शर्मिंदगी प्रकट की है। उन्होंने कहा है, 'अपने देश के राजनयिक के विचार पढ़कर मुझे बेहद शर्मिंदगी महसूस हो रही है। मैं स्वयं से पूछता हूं कि जब कक्षा में लोकतंत्र और बोलने की आज़ादी का पाठ पढ़ाया जा रहा था तब यह व्यक्ति क्या कर रहा था?... जब मैं कुछ देखता और महसूस करता हूं तो राज्य के स्वार्थों की खातिर उसके ठीक उलट बोलने से बड़ा फासीवादी विचार और क्या हो सकता है?' अभिव्यक्ति की आज़ादी का अधिकार हमारे संविधान ने हमें दिया है। 'कश्मीर फाइल्स' फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को पूरा अधिकार है कि वे हमारे समय का एक भीषण सच फिल्म के माध्यम से दुनिया के सामने लायें। तीस साल पहले कश्मीरी पंडितों के साथ जो कुछ हुआ वह दुनिया के सामने आना ही चाहिए। दुर्भाग्य से, आज भी कश्मीर में स्थितियां सामान्य नहीं हैं। कश्मीरी पंडित आज भी आतंकवादियों के निशाने पर हैं। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए। इस्राइली फिल्मकार ने फिल्म की आलोचना करते हुए कहीं भी कश्मीरी पंडितों के साथ हुए अत्याचार का समर्थन नहीं किया है। कश्मीरी पंडितों के साथ जो कुछ हुआ, विवेक अग्निहोत्री ने उसे बड़ी कुशलता से पर्दे पर दिखाया है, और दर्शकों का पूरा प्रतिसाद भी फिल्म को मिला है। जो फिल्म में चित्रित किया गया है उससे किसी को शिकायत नहीं होनी चाहिए। शिकायत तो उससे है जो चित्रित नहीं किया गया। एकांगी हो गयी है फिल्म। अभिव्यक्ति की सच्चाई का तकाज़ा यह भी है कि अधूरा नहीं, पूरा सच दिखाया जाये। अधूरा सच मंतव्य पर सवाल खड़ा करता है। 'कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्में पूरा सच दिखा कर समाज की सोच को सकारात्मक बनाने में मदद कर सकती हैं। यही उद्देश्य भी होना चाहिए ऐसी फिल्मों का। लेकिन जब पूरी सच्चाई को सामने न लाकर आधा-अधूरा सच परोसा जाता है तो परोसने वाले का इरादा सवालों के घेरे में आ जाता है।

हर मौत एक त्रासदी है। कश्मीर में मारा जाने वाला हर नागरिक एक सवालिया निशान बन कर हमारी व्यवस्था के सामने खड़ा हो जाता है। कश्मीर में मारा जाने वाला हर व्यक्ति, चाहे वह हिंदू है या मुसलमान, इस देश से सुरक्षित जीवन मांगने का हकदार है। कश्मीर में 1990 के बाद से कितने हिंदू मरे और कितने मुसलमान मरे, इस पर मतभेद हो सकता है, पर इस सारे घटनाक्रम की कीमत निस्संदेह मानवता को ही चुकानी पड़ती है। देश में विवेक की आवाज़ ऐसी हर मौत के विरोध में खड़ी होनी चाहिए। ऐसे विरोध का आधार धर्म या जाति नहीं होना चाहिए, निस्संदेह जनतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का भाव होना चाहिए इसके पीछे। रक्षा के इसी भाव का तकाज़ा है कि किसी से उसका अभिव्यक्ति का अधिकार न छीना जाये। गोवा में बयान देने के बाद नादेव लापिड को जिस तरह से निशाने पर लिया जा रहा है, वह व्यक्ति के जनतांत्रिक अधिकार का अतिक्रमण ही है। लापिड और उनके सहयोगी जूरी सदस्यों ने कुछ भी ऐसा नहीं कहा है जिससे यह लगे कि फिल्म में जो कुछ दिखाया गया, वह उसे दिखाये जाने के विरुद्ध हैं। सच तो यह है कि उन्होंने जो कुछ कहा, वैसी ही बातें भारतीय फिल्म-समीक्षक भी कहते रहे हैं। यदि इस्राइल, स्पेन और फ्रांस के जूरी सदस्य आतंकवाद के समर्थक कहे जा रहे हैं तो फिल्म की आलोचना करने वाले भारतीय समीक्षकों को भी आतंकवाद का पक्षधर कहना होगा! 'कश्मीर फाइल्स' फिल्म में जो कुछ दिखाया गया वह शत-प्रतिशत सच हो सकता है, वह पूरा सच नहीं है। वस्तुतः ऐसी फिल्मों का महत्व और बढ़ जायेगा जब पूरा सच दिखाया जायेगा। कश्मीर में हिंदू भी मर रहे हैं, मुसलमान भी। देश में बाकी जगहों पर हो रहे सांप्रदायिक दंगों में भी मरता भारतीय नागरिक ही है। ऐसे हर भारतीय की रक्षा की कोशिश होनी चाहिए। सांप्रदायिकता फैलाने वाली हर कोशिश को नाकामयाब बनाने की ज़रूरत है। यह काम समाज को भी करना है, और सरकार को भी। सच तो यह है कि समाज को ज़्यादा जागरूक रहने की ज़रूरत है। सवाल मानवीय अधिकारों की रक्षा का है, एक फिल्म का नहीं। 'कश्मीर फाइल्स' फिल्म के प्रदर्शन के बाद समाज में जिस तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आयी थीं, वे एक जनतांत्रिक एवं जागरूक समाज के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार करने वाले धर्म विशेष के ही नहीं, आतंकवादी थे। आतंकवाद इस देश का दुश्मन है, संकीर्ण सोच से भी खतरा है देश को। हमारी लड़ाई किसी फिल्म वाले से नहीं, इस बीमार सोच से होनी चाहिए।

-विश्वनाथ सचदेव

झूठी शान के लिए हत्याएं: तंग नजरिये से मुक्ति के लिए हो पहल

देश में 'ऑनर किलिंग' एक गंभीर समस्या बनकर उभर रही है। हाल ही में, मथुरा के यमुना एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर एक लड़की का शव मिला। गत 17 नवंबर की दोपहर हुई हत्या में अभिभावक ही कातिल निकले। मृतका के पिता ने स्वयंमेव इकलौती बेटी को गोली मारना स्वीकार किया। गौरतलब है, दिल्ली के 'ग्लोबल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' में बीसीए की छात्रा रही आयुषी ने अपने सहपाठी छत्रपाल गुर्जर से एक वर्ष पूर्व प्रेम-विवाह किया था। परिजनों के रोकने के बावजूद युवक से संपर्क रखना उसे जीवन पर भारी पड़ा।

'ऑनर किलिंग' अर्थात् ऐसी हत्या, जिसे अपने ही परिवार, वंश अथवा समुदाय के सदस्य इस आधार पर अंजाम देते हैं कि मृतक उनकी तथाकथित 'सामाजिक प्रतिष्ठा' धूमिल करने का सबब बना। 'अपमान' की इस अवधारणा में सामान्यतः कारण अंतरजातीय या एक ही गोत्र में विवाह करना, परिवार द्वारा नियत विवाह से इंकार, समुदाय निर्धारित वस्त्र संहिता का उल्लंघन, अवैध अथवा अप्राकृतिक संबंध आदि रहते हैं।

दरअसल, 'सम्मान' के नाम पर हत्याएं करने का यह बर्बर प्रचलन सदियों पुराना है। मध्यकालीन युग में विश्व के लगभग सभी देशों में समाज का स्वरूप पितृसत्तात्मक था। आत्मसम्मान के रूप में पुरुष मानसिकता सदैव ही महिला वर्ग पर हावी रही। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पुरुष भी 'सम्मान हत्या' का शिकार बन रहे हैं। भारत के हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि क्षेत्रों में ऐसे मामले बहुतायत में देखे जा सकते हैं। एक विज्ञप्ति के अनुसार- हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ में अपनी सुरक्षा व संरक्षण की मांग करते जोड़ों के लगभग 150 प्रार्थनापत्र प्रतिदिन मिलते हैं।संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के अनुमान अनुसार, प्रतिवर्ष वैश्विक स्तर पर 'ऑनर किलिंग' का शिकार होने वाली 5,000 महिलाओं में से 1,000 भारतीय रहीं। आंकड़ों की एक अन्य गणनानुसार, पिछले आठ वर्षों में 'सम्मान' के नाम पर देश में लगभग 500 हत्याएं हुईं।

'ऑनर किलिंग' का सर्वाधिक निंदनीय पहलू इसे अपराध न मानकर, सम्मान के लिहाज से जायज ठहराना है। इस संदर्भ में हुआ एक शोध बताता है कि जिन लोगों ने 'कथित सम्मान' के लिए महिलाओं को मार डाला; परिवार, समुदाय व ग्रामवासी उनकी पीठ थपथपाते हैं। हत्या करने पर ग्लानि की अपेक्षा गर्व का भाव निश्चय ही भर्त्सना योग्य है। न केवल यह रूढ़िवादिता एवं विकृत मानसिकता को विस्तार देता है बल्कि भारतीय संविधान की अवधारणा को भी नकारात्मक ढंग से प्रभावित करता है। भारतीय कानून कुछ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को मान्यता प्रदान करते हुए 'मानवाधिकारों के प्रति सार्वभौमिक घोषणा 1948' को भी लागू करता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 'शक्ति वाहिनी बनाम भारत संघ' मामले में सम्मान आधारित हिंसा को अपराध की श्रेणी में रखते हुए समर्थन करने वाली संस्थाओं को गैर-कानूनी घोषित किया है। कानून होने पर भी ऐसी घटनाओं का न रुकना गहन चिंता का विषय है। लैंगिक समानता, शिक्षा, नौकरियों के आरक्षण पर बनने वाले कानून भी इस बुराई को समाप्त नहीं कर पाए। कारण स्पष्ट है, ऐसे अपराध प्रायः गोपनीय रूप से किए जाते हैं। अतः संबंधित अपराधों के आंकड़ों में उपलब्धता की पर्याप्त कमी भी स्वाभाविक है। सामूहिक आधार पर ऐसे अपराधों को घरेलू हिंसा के रूप में वर्गीकृत कर दिया जाना भी स्थानीय पुलिस के लिए समस्याएं उत्पन्न करता है। स्तरीय शिक्षा का अभाव भी इसमें एक प्रमुख कारण है, जिसके चलते स्वस्थ सोच विकसित नहीं हो पाती तथा प्रचलित रूढ़ियों को पारिवारिक प्रतिष्ठा मान लिया जाता है। शिक्षा के अभाव में समाज का एक बड़ा हिस्सा अपने संवैधानिक अधिकारों से अनजान है। लैंगिक असमानता भी समाज में व्यावहारिक स्तर पर कट्टर वैचारिकता को जन्म देती है।

सम्मान के नाम पर की गयी ये हत्याएं समाज में अपराध को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं की अस्मिता को भी प्रभावित करती हैं। जहां प्रेम, करुणा तथा सहनशीलता से सद्भाव में वृद्धि होती है, वहीं जातिगत वैमनस्य एवं असंतुष्टि का भाव बढ़ने से समाज में अराजकता फैलती है। इसी बात के मद्देनजर 'ऑनर किलिंग' से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि झूठी शान की खातिर हत्या को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दो वयस्क अगर शादी करते हैं तो कोई तीसरा उसमें दखल नहीं दे सकता।

इस विषय में जन जागरूकता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही आवश्यक है संबंधित कानूनों में आवश्यक संशोधन करना व समयानुसार नए कानून बनाना। क्यों न सामाजिक स्तर पर जाति, धर्म आदि स्वरचित संकीर्णताओं से ऊपर उठकर तनिक विचारा जाए कि यदि ईश्वरीय सृष्टि व कानून की दृष्टि में कोई भेद नहीं तो हमारी सोच में संकीर्णता की यह कड़वाहट क्यों?

-दीपिका अरोड़ा

आपका राशिफल 10 दिसम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

फिल्म वर्ग पहेली- 6011

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6010

Jagrutidaur.com, Bangalore

Lipstick लगाने की शौकीन महिलाएं हो जाएं सावधान, हो सकता है कैंसर

हर महिला को मेकअप करना बहुत पसंद होता है। आजकल की ज्यादातर महिलाएं अपने रंग और रुप को निखारने के लिए मेकअप करती हैं। मेकअप में कई तरह की चीजें शामिल होती हैं जैसे कि फाउंडेशन और होठों पर लगाने के लिए लिपस्टिक होती है। लिपस्टिक का क्रेज इतना ज्यादा है कि महिलाएं मेकअप करें ना करें लेकिन लिपस्टिक का इस्तेमाल जरुर करती हैं। हालांकि लगातार होठों पर लिपस्टिक लगाने से कई तरह के नुकसान हो सकते है सेहत को। आईए जानते हैं इसके बारे में।

केमिकल से भरी होती है लिपस्टिक

लिपस्टिक में कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं इसलिए इस बात की पूरी संभावना होती है कि लिपस्टिक लगाने के बाद जब आप खाना खाती है तो मुंह के जरिए बहुत सा केमिकल आपके पेट में पहुंच जाता है। ये आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक होता है। इससे आपके शरीर में टॉक्सिन पैदा होते हैं। इसलिए लिपस्टिक खरीदते समय हमेशा इसकी सामग्री पर ध्यान दें।

होंठ काले और एलर्जी

कई बार लिपस्टिक सगाने के बाद आपके होठों के आसपास खुजली होती है। इसका मुख्य कारण ये होता है कि लिपस्टिक में आक्सीक्लोराइड केमिकल होता है जो कि कार्सिनोजेनिक होता है। इसलिए लिपस्टिक का इस्तेमाल जितना कम हो सके उतना कम करना चाहिए।

कैंसर की होता है संभावना

कार्सिनोजेनिक केमिकल से महिला के शरीर में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी पैदा हो सकती है। वहीं लिपस्टिक को लम्बें समय तक प्रिजर्व करने के लिए कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। जिसके कारण कई सेहत संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती है, जैसे की आंखों में जलन, होठों का कालापन बढ़ता है और भी कई प्रकार की एलर्जी हो सकती है।

प्रेगनेंसी में होती है परेशानी

लिपस्टिक के लगातार इस्तेमाल से प्रेगनेंसी में भी समस्या पैदा होती है और कई बार इसका बच्चे पर भी बुरा असर पड़ता है।

लिपस्टिक में कैडमियम मौजूद होता है ये किडनी फेलियर का कारण बन सकता है। जब लिपस्टिक का केमिकल पेट में पहुंचता है इससे ट्यूमर हो सकता है और पेट से संबंधित कई और समस्या भी हो सकती है।

इन बातों का रखें खास ख्याल

डार्क कलर की लिपस्टिक में केमिकल की मात्रा ज्यादा होती है तो उससे परहेज करें। लिपस्टिक लगाने से पहले लिप बाल्म का इस्तेमाल करें, इससे आपके होठों को कम नुकसान होगा।

सूडोकु नवताल- 6524

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6523 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

विचार प्रवाह

तू बात बात में मुहूर्त मुहूर्त की बात करता है? अरे ये मुहूर्त फुहूर्त क्या होता है। जो काम जिस वक्त कर लो वही मुहूर्त है। रामचंद के राज्याभिषेक का बढ़िया मुहूर्त निकाला गया था पर अगले दिन क्या हुआ? सब मुहूर्त धरा का धरा रह गया। आपको पता है न जन्म का कोई मुहूर्त होता है और न मृत्यु का कोई मुहूर्त होता है फिर ये बीच के जीवन में मुहूर्त का चक्कर क्यों?

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7563

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -7562 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बजट की तैयारियों में जुटी शिवराज सरकार सभी वर्गों को साधने के होंगे जतन

भोपाल, यशभारत। प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसके पहले शिवराज सरकार वर्तमान कार्यकाल का अंतिम बजट फरवरी-मार्च में प्रस्तुत करेगी। चुनावी वर्ष होने के कारण इसमें सभी वर्गों को साधने के जतन भी होंगे। इसकी तैयारी वित्त विभाग ने प्रारंभ कर दी है। अगले सप्ताह से वित्त विभाग के उप सचिव विभागवार बैठकें करेंगे। इसमें वर्तमान वित्तीय प्रविधानों के साथ प्रस्तावित कार्र्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। प्रयास यही रहेगा कि केंद्रीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाया जाए ताकि राज्य बजट का अधिक से अधिक उपयोग सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किया जा सके। नई योजनाएं वे ही शामिल की जाएंगी, जिनके उद्देश्य की पूर्ति किसी अन्य योजना के माध्यम से नहीं हो सकती है। शिवराज सरकार ने वर्ष 2022-23 का बजट दो लाख 79 हजार 237 करो? रुपये का बजट प्रस्तुत किया था। यह अब तीन लाख करो? रुपये तक हो सकता है। राजस्व संग्रहण भी लक्ष्य के आसपास चल रहा है। सरकार ने राजस्व ब?ाने के लिए अनुपयोगी परिसंपत्ति के विक्रय के साथ अन्य माध्यमों से वित्त प्रबंधन करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। लोक निर्माण विभाग ने सड़क परियोजनाओं के लिए पांच सौ करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋ?ा लिया है। वहीं, आबकारी नीति के माध्यम से भी राजस्व बढ़ाया जा रहा है। तीन साल बाद रेत खदान नीलाम करने के लिए नीति लाई जा रही है। इसके माध्यम से भी राजस्व बढ़ाने का प्रयास होगा। कुल मिलाकर सरकार अपने वित्तीय स्थिति मजबूत करने के साथ केंद्रीय योजनाओं के भरपूर उपयोग की कार्ययोजना पर काम कर रही है। वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि केंद्र सरकार से केंद्रीय करों के हिस्से में इस वर्?ा 64 हजार 107 करोड़ रुपये प्राप्त होने का अनुमान है। वहीं, 44 हजार 595 करोड़ रुपये का सहायता अनुदान मिलना अनुमानित है। इस राशि को प्राप्त करने के लिए लंबित प्रस्तावों को प्राथमिकता पर लेकर स्वीकृत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लगातार केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर रहे हैं तो सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्तर पर भी केंद्रीय अधिकारियों से संवाद बनाकर रखें। इसका लाभ भी प्रदेश को मिल रहा है। कई योजनाओं में प्रदेश का प्रदर्शन देश के अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। पूंजीगत व्यय लगातार ब?ाया जा रहा है। इसे प्रोत्साहन देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अतिरिक्त राशि भी दी गई है। इस वर्ष भी 48 हजार करो? रुपये का प्रविधान बजट में किया है।

मौजूदा योजनाओं के क्रियान्वयन पर रहेगा जोर

सूत्रों का कहना है कि सरकार का जोर नई योजनाओं की जगह मौजूदा योजनाओं के क्रियान्वयन पर अधिक रहेगा। इसके लिए पर्याप्?त वित्तीय प्रविधान भी किए जाएंगे। वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि हितग्राहीमूलक एक-एक योजना के पिछले तीन साल के लक्ष्य और प्राप्ति का पूरा विवरण दिया जाए। साथ ही यह भी बताया जाए कि आगामी वित्तीय वर्ष में योजना के लिए कितनी राशि की आवश्यकता होगी और उससे कितने लक्ष्य की पूर्ति होगी। नई योजना के प्रस्ताव वित्त विभाग की अनुमति से ही बजट में शामिल किए जाएंगे। इसके संबंध में पहले वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा संबंधित मंत्रियों से चर्चा करेंगे और फिर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री द्वारा लिया जाएगा। वे जनवरी के दूसरे सप्ताह में अधिकारियों के साथ बजट की तैयारियों को लेकर बैठक करेंगे।

मध्य प्रदेश में अवैध कालोनियों को वैध करने की प्रक्रिया होगी सरल, विकास शुल्क भी होगा कम

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश में 31 दिसंबर 2016 के पहले अस्तित्व में आई लगभग छह हजार अवैध कालोनियों को रहवासियों को राहत देने के लिए शिवराज सरकार ने भवन व भूखंड को वैध करने के नियम तो बनाए लेकिन इसका लाभ नहीं मिल पाया। जटिल प्रक्रिया होने के कारण कालोनियों को वैध करने में आ रही दुश्वारियों को देखते हुए अब सरकार प्रक्रिया को सरल करने के साथ विकास शुल्क को कम करेगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मंदसौर में इस संबंध में घोषणा की। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मध्य प्रदेश नगर पालिका कालोनी विकास नियम लागू किया है। इसमें प्रविधान है कि दो हेक्टेयर क्षेत्र से अधिक कालोनी का क्षेत्र होने पर नगर तथा ग्राम निवेश संचालनालय द्वारा अधिकतम तीन चरण में कालोनी विकास की अनुमति दी जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा निम्न आय वर्ग के सदस्यों के लिए 15 प्रतिशत आवास रखने होंगे। यदि कालोनाइजर भूखंड या आवास की जगह आश्रय शुल्क जमा करना चाहता है तो उसे अनुमति होगी। ऐसी कालोनियां, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक निम्न आय वर्ग वाले निवास करते हैं तो विकास शुल्क का बीस प्रतिशत ही कालोनीवासियों से लिया जाएगा। बाकी 80 प्रतिशत राशि संबंधित निकाय द्वारा वहन की जाएगी।

इससे भिन्न श्रेणी की कालोनी के लिए 50 प्रतिशत विकास शुल्क कालोनी के रहवासियों को देना होगा। यह राशि अधिक होने के कारण रहवासी तैयार नहीं हो रहे हैं। वहीं, नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति भी ऐसी नहीं है कि वे बिना सरकारी मदद के विकास कार्य करा सकें। विकास कार्य 50 प्रतिशत पूरा होने पर ही 50 प्रतिशत भवन या भूखंड मुक्त करने का प्रविधान है। अवैध कालोनी में भूखंड या भवन को वैध करने के लिए उसके स्वामी को आवेदन करना होगा। इसके लिए विधिवत शुल्क लिया जाएगा। इस तरह के अन्य प्रविधान भी नियम में हैं। इसको लेकर विभाग को कई सुझाव प्राप्त हुए थे। इसे देखते हुए सरकार ने प्रक्रिया के सरलीकरण और विकास शुल्क में कमी करने को लेकर विचार किया है। अब इस पर कैबिनेट में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास की किस्त जारी करने में भ्रष्टाचार न हो, सड़कों के रखरखाव का काम प्राथमिकता से हो

भोपाल, यशभारत। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों का निर्माण समय पर हो और किस्त जारी करने में भ्रष्टाचार न हो। शिकायत मिली तो कोई भी हो, कार्रवाई होगी। स?कों के रखरखाव का काम प्राथमिकता से होना चाहिए। जहां भी खोदाई की गई है, उसे सबसे पहले सुधारा जाए। ग्रामीण यांत्रिकी विभा के कामों की जांच की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को हरदा जिले के विकास कार्यों की वर्चुअली समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार तथा रोजगार से जोड़ने के लिए कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए। विद्युत वितरण व्यवस्था और सड़कों की स्थिति सुधारा जाए। जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों का संचालन पारदर्शिता के साथ समयसीमा में किया जाए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहें। हमें हरदा जिले को सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में आदर्श जिला बनाना है। जिले में जल ज्योतिर्मय शिविरों का आयोजन, साइबर सखी योजना, गोंडी एवं कोरकू में पाठ्यक्रम सामग्री विकसित करने सहित जो नवाचार किए गए हैं, वे सराहनीय हैं। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में नौ हजार 109 आवास के लक्ष्य के विरुद्ध छह हजार आवास पूर्ण कर लिए गए हैं। आवास प्लस में स्वीकृत पांच हजार 632 आवासों में से 30 प्रतिशत काम हो चुका है। कार्य में विलंब के कारण पांच कर्मचारियों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अवैध शराब और नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि मंत्री कमल पटेल, प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद दुर्गादास उइके, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित हरदा के अधिकारी वर्चुअली जुड़े।

सहायक आबकारी आयुक्त राठी की संपत्ति राजसात करने को विशेष न्यायालय को सौंपा प्रकरण

भोपाल ,यशभारत। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोपित सहायक आबकारी आयुक्त जगदीश राठी की चल-अचल संपत्ति राजसात करने के लिए उनका प्रकरण विशेष न्यायालय को सौंप दिया है। लोकायुक्त ने नौ साल पहले (2013) सागर में पदस्थापना के दौरान राठी के यहां छापा मारा था और करोड़ों रुपयों की अवैध संपत्ति होने का दावा किया था। उनके इंदौर स्थित आवास पर भी छापा मारा गया था। इस प्रकरण में उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। बता दें कि राठी अपने सेवाकाल में पहले भी निलंबित हो चुके हैं। राठी ने राम जन्मभूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने वाले दिन नौ नवंबर 2019 को ड्राई-डे घोषित होने के बावजूद रतलाम में शराब की दुकानें खुलवा दी थीं। मामले में रतलाम कलेक्टर ने राठी के विरुद्ध कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार कर आबकारी आयुक्त को पत्र लिखा था। जिसके बाद राठी को निलंबित कर दिया गया था। मान्यता नियमों का पालन न करने पर सामाजिक न्याय एवं निश्शक्तजन कल्याण विभाग ने हरदा की संस्था पहल सामाजिक विकास की मान्यता निरस्त कर दी है। केंद्र सरकार ने संस्था को अनुदान देने पर न सिर्फ रोक लगा दी है, बल्कि अनुदान के रूप में पहले दी गई राशि भी ब्याज सहित वसूल की जाएगी। आयुक्त सामाजिक न्याय एवं निश्शक्तजन कल्याण डा. ई. रमेश कुमार ने केंद्र सरकार के प्रोजेक्ट मानीटरिंग यूनिट (पीएमयू) ने निरीक्षण किया था, जिसमें अनियमितताएं पाई गई थीं। विभाग ने नोटिस जारी कर संस्था से जवाब मांगा था, जो संतोषजनक नहीं रहा। अनुदान राशि ब्याज सहित वसूलने के लिए हरदा कलेक्टर को निर्देश दिए गए हैं।

PMT Scam MP: जांच में लगा दिए आठ साल

अब पीएमटी 2008 और 2009 के मामले में आठ के विरुद्ध प्राथमिकी

भोपाल ,ईएमएस। मध्य प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पीएमटी 2008 और 2009 में गलत तरीके से मेडिकल कालेजों में प्रवेश लेने के आरोप में आठ आरोपितों के विरुद्ध गुरुवार को धोखाधड़ी व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण कायम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 2014 में एसटीएफ को संदिग्ध विद्यार्थियों की सूची सौंपी थी। मामले की जांच करने में जांच एजेंसी ने आठ साल लगा दिए। अब आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी की गई है। जांच में पाया गया है कि आरोपितों ने अपनी जगह किसी और (साल्वर) को बैठाकर पीएमटी परीक्षा पास की थी। इन्होंने गांधी मेडिकल कालेज भोपाल में प्रवेश लिया था। सवाल यह उठ रहा है कि जांच में इतने साल कैसे लग गए।

दिग्विजय सिंह ने एसटीएफ को तीन प्रकार की सूची सौंपी थी। इसमें एक वह थी, जिसमें संदिग्धों के निवास का पता समान था। दूसरी सूची उनकी थी जिन्होंने उत्तर प्रदेश बोर्ड से दसवीं और बारहवीं की परीक्षा पास की थी, साथ ही मध्य प्रदेश से बने इनके मूल निवास प्रमाण पत्र संदिग्ध थे। तीसरी वह जिनके परीक्षा फार्म में लगे फोटो और सीट आवंटन पत्र में लगे फोटो में भिन्नता थी। दिग्विजय सिंह ने एसटीएफ को पत्र लिखकर कहा था कि पीएमटी 2006 के बाद जो भी परीक्षाएं व्यापमं द्वारा ली गई हैं, उनमें कुछ लोगों ने व्यापमं के अधिकारियों से आर्थिक लाभ के लिए मिलीभगत कर और भाजपा नेताओं-मंत्रियों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग से यह गड़बड़ी की है।

एफआइआर में बनाए गए नामजद आरोपित

1. प्रशांत मेश्राम खेरलांजी, बालाघाट
2. अजय टेंगर बामोर, मुरैना
3. कृष्णकुमार जायसवाल,अंबिकापुर छत्तीसगढ़
4. अनिल चौहान, बड़वानी
5. हरिकिशन जाटव बामोर, मुरैना
6. शिवशंकर प्रसाद त्योंथर, रीवा
7. अमित बड़ोले, बड़वानी

ईडी ने मांगा इंजीनियरों की संपत्ति का ब्योरा, जिम्मेदार अधिकारी बे-खबर

भोपाल,यशभारत। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जल संसाधन विभाग के पांच इंजीनियरों की संपत्ति का ब्योरा मांगने के मामले में विभाग के जिम्मेदार अधिकारी बे-खबर हैं। अधिकारी कहते हैं कि उन्हें इसकी जानकारी ही नहीं है। जबकि जल संसाधन विभाग के अधीक्षक यंत्री (प्रशासन) बीएस मोहनिया ने संचालक (प्रशासन) नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण को 29 नवंबर को पत्र लिखकर दो दिन में जानकारी भेजने को कहा है। ईडी ने जल संसाधन विभाग से पांच अभियंताओं (इंजीनियरों) राजीव कुमार सुकलीकर, शरद श्रीवास्तव, शिरीष मिश्रा, अरविंद उपमन्यु और प्रमोद कुमार शर्मा की चल-अचल संपत्ति, नौकरी में आने से लेकर अब तक के वेतन का हिसाब, नौकरी में कहां-कहां किन पदों पर रहे आदि ब्योरा मांगा है। ये 3333 करोड़ के निर्माण कार्यों में गड़बड़ी एवं मनी लांड्रिंग मामले में संदिग्ध हैं। अगस्त 2018 से फरवरी 2019 के बीच स्वीकृत बांदा बांध, हनोता बांध, वर्धा बांध, अन्य चार परियोजनाओं के कार्यों और भुगतान, प्रेशर पाइप कार्य इकाई और बांधों की नींव को पतला करने की जानकारी भी चाही है। मामले में जब विभाग के अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा से बात की गई, तो उनका कहना है कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। वहीं प्रमुख अभियंता जल संसाधन एमएस डावर से पूछा गया,तो उन्होंने भी अनभिज्ञता जताई।

फरवरी में शुरू हो जाएगी भोपाल में एक और डीएनए जांच लैब

भोपाल, यशभारत। प्रदेशभर से डीएनए मिलान के लिए विभिन्न लैब में लंबित सैंपलों का आंकड़ा 10 हजार तक पहुंच गया है। जांचों की संख्या बढ़ाने के लिए भोपाल में एक नई डीएनए जांच लैब बनाई जा रही है। इसमें हर माह सौ सैंपलों की जांच हो सकेगी। बाद में वैज्ञानिक अधिकारियों की संख्या बढ़ने पर सौ और सैंपल जांचे जा सकेंगे। फरवरी से यह लैब शुरू करने की तैयारी है। पहले दिसंबर में चालू करने की योजना थी, पर तैयारी पूरी नहीं हो पाई। इसके अलावा ग्वालियर और जबलपुर में भी एक-एक लैब बनाई जा रही है। इनकी क्षमता भी शुरुआत में सौ सैंपल प्रतिमाह की होगी। अगले वर्ष के अंत तक यह दोनों लैब भी शुरू हो जाएंगी। बता दें कि डीएनए सैंपलों की जांच के लिए अभी भोपाल, सागर और इंदौर में एक-एक लैब है। तीनों जगह मिलाकर प्रति माह 600 सैंपल जांचने की क्षमता है। यह किसी भी राज्य में प्रतिमाह जांचे जाने वाले सैंपलों में सर्वाधिक है। दुष्कर्म के मामले बढ़ने के कारण सैंपलों की संख्या कम नहीं हो रही है।

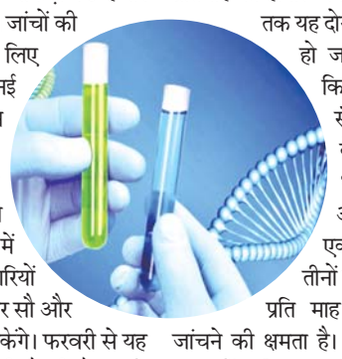

85 प्रतिशत सैंपल दुष्कर्म मामलों के

आवश्यकता के अनुसार जांच क्षमता नहीं होने की वजह से प्रदेश में 10 हजार सैंपलों की जांच अटकी हुई है। लंबित सैंपलों में पुराने की जांच की जा रही है तो उतने ही नए जु? जाते हैं, जिससे आंकड़ा 10 हजार से कम नहीं हो रहा है। अधिकारियों के मुताबिक जिन सैंपलों की जांच होनी है उनमें करीब 85 प्रतिशत दुष्कर्म के मामलों के सैंपल हैं। जांच नहीं होने की वजह से इन प्रकरणों में न्यायालय से निर्णय होने में भी देरी हो रही है।

इनका कहना है

भोपाल की नई लैब फरवरी में शुरू होगी। साथ ही ग्वालियर और जबलपुर में भी डीएनए लैब तैयार की जा रही है। अभी हर माह 600 सैंपलों की जांच की जा रही है जो देश में सर्वाधिक है।

- शशिकांत शुक्ला, डायरेक्टर, एफएसएल भोपाल

स्टांप ड्यूटी से छूट देने के लिए नगर पालिक विधि में संशोधन करेगी सरकार

भोपाल ,यशभारत। मध्य प्रदेश में सरकार जिस संस्था को स्टांप ड्यूटी में छूट देती है, उससे नगरीय निकाय अलग से स्टांप ड्यूटी नहीं वसूल सकेंगे। अभी नगर पालिका अधिनियम में अलग से स्टांप ड्यूटी लिए जाने का प्रविधान है। इसे सरकार समाप्त करने जा रही है ताकि कोई अंतर्विरोध न रहे। प्रदेश में निवेश आकर्षित करने और विभिन्न संस्थाओं की स्थापना के लिए सरकार स्टांप शुल्क में छूट देती है। अनुपयोगी संपत्तियों की नीलामी में भी छूट दिए जाने का प्रविधान है। अलग-अलग व्यवस्था के कारण होने वाली परेशानी को देखते हुए नगर पालिक विधि नियम में संशोधन का निर्णय लिया है। 19 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम में प्रविधान है कि नगरीय निकाय की सीमा के भीतर अचल संपत्ति के अंतरण पर स्टांप शुल्क लिया जाएगा। यही व्यवस्था नगर पालिका और नगर परिषद में भी लागू है। सरकार, जिन संस्थाओं को स्टांप शुल्क में छूट देती है, उनसे निकायों द्वारा अतिरिक्त स्टांप शुल्क लिया जाता है। अलग-अलग व्यवस्था होने से परेशानी होती है। प्रदेश सरकार केंद्रीय संस्थान हों या फिर प्रदेश में निवेश करने वाली औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन नीति के तहत छूट देती हैं। इस अंतर्विरोध को समाप्त करने के लिए विधानसभा के शीतकालीन सत्र में संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया जाएगा। इससे कोई भी निकाय उन संस्थाओं से अतिरिक्त स्टांप शुल्क नहीं ले सकेगा, जिन?हें शासन ने छूट दी है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए मिले 15 लाख 55 हजार आवेदन

भोपाल,यशभारत। विधानसभा चुनाव के पहले मध्य प्रदेश में निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गए विशेष पुनरीक्षण अभियान में 24 लाख 27 हजार आवेदन प्राप्त हुए। इसमें 15 लाख 55 हजार आवेदन नाम जुड़वाने के लिए मिले हैं। जबकि, वर्तमान सूची में दर्ज चार लाख 13 हजार नामों पर आपत्ति जताई गई है। चार लाख 58 हजार आवेदन नाम व पता में संशोधन के लिए प्राप्त हुए हैं। इनका निराकरण 26 दिसंबर तक करके पांच जनवरी 2023 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटवाने और संशोधन कराने के लिए एक माह तक विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया। इसमें बूथ लेवल आफिसर शनिवार और रविवार को घर-घर गए और पात्र व्यक्तियों से आवेदन कराए। वहीं, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन, अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कौल सहित अन्य अधिकारियों ने जिलों का दौरा किया। संभागायुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारियों को स्वयं निगरानी करने की जिम्मेदारी दी गई। आठ दिसंबर गुरुवार को आवेदन प्राप्त करने के अंतिम दिन था। निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि अब तक 24 लाख 27 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह संख्या अभी और बढ़ेगी। अब इनके परीक्षण करके 28 दिसंबर तक अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पांच जनवरी 2023 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। इसके बाद चुनाव के समय मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण होगा, जिसमें छूटे हुए लोगों के नाम सूची में जोड़ने का काम होगा।

जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल में हुई गड़बड़ी की जांच करेगा ईडी

भोपाल, ईएमएस। भोपाल के जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल में तत्कालीन सीईओ दिव्या पाराशर और अस्पताल में पदस्थ उनके अन्य रिश्तेदारों द्वारा कथित तौर पर की गई गड़बड़ी की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी करेगा। ईडी में मामले की शिकायत अस्पताल के तत्कालीन डायरेक्टर मेजर जनरल टीपीएस रावत ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि पराशर ने करीब 50 लाख रुपये का गबन हर साल किया है। उन्होंने इसकी शिकायत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में भी इस साल मई में की थी। रावत ने ईडी को शिकायत में कहा था कि बाद में उन्हें अवांट कैंसर सपोर्ट फाउंडेशन का डायरेक्टर भी बना दिया गया। उन्हें बताया गया यह कंपनी अस्पताल द्वारा ही बनाई गई है, जो अस्पताल में दवाओं की आपूर्ति करेगी। हर दिन लाखों रुपये के चेक पर मुझसे हस्ताक्षर कराए जाते थे, पर पूछने पर दिव्या पाराशर कोई जानकारी नहीं देती थीं। अस्पताल में हर वर्ष 40 से 50 करोड़ रुपये की दवाएं लगती हैं। इस कंपनी ने इस वर्ष के शुरुआती चार महीने में 15 करोड़ रुपये की दवाओं की बिक्री और पांच करोड़ रुपये मुनाफा दिखाया था। उन्होंने कहा कि दिव्या पाराशर ने शैल कंपनियां बनाई थीं, जिसके माध्यम से आठ करोड़ रुपये का गबन किया है।

पूरे रुपये निकालने पर नहीं मिलता पेंशन का फायदा

भोपाल , ईएमएस। भविष्य का आधार समझे जाने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (इपीएफओ) के खातों से रुपये निकालने का चलन प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा है। कोरोना महामारी के बाद इसमें अप्रत्याशित तेजी आई है। कोराना के बाद लोगों की सोच में बदलाव हुआ है। पहले लोग भविष्य निधि को बच्चों की पढ़ाई, उनकी शादी और वृद्धावस्था के लिए बचाकर रखते थे। लेकिन वर्तमान में खासकर युवाओं के रहन सहन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में महामारी के बाद आय कम हुई लेकिन उसके अनुपात में अपने खर्चों में लोगों ने कटौती नहीं की। इसके चलते पीएफ निकालना शुरू कर दिया। उनका सोचना है कि जिस राशि का उपयोग वो वर्तमान में नहीं कर पा रहे हैं, उसका उपयोग जरूरी नहीं कि भविष्य में कर पाएंगे। प्रदेश में करीब 64 लाख इपीएफओ खाताधारक हैं। संक्रमण के पूर्व दो वर्षों में 13 लाख कर्मचारियों ने पांच हजार करोड़रुपये निकाले थे। लेकिन कोरोना महामारी का असर खत्म होने के बाद डेढ़ वर्ष में ही 25 लाख कर्मचारी 7100 करोड़ रुपये पीएफ खातों से निकाल चुके हैं। हालांकि निकासी के आधिकारिक दस्तावेजों में कारण बच्चों का विवाह करना, बीमारी के इलाज के लिए जरूरत समेत अन्य काम बताकर निकाले गए हैं। वहीं महामारी के बाद अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी पर समाजशास्त्री इसे लोगों की बदलती सोच और कमाई कम होने पर खर्चे पूरे करने की कोशिश बता रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 2019-20 तक राशि निकासी का जो आंकड़ा था उसमें 2021-22 और 2022-23 में 100 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

पांच वर्ष के पहले निकालने पर देना पड़ता है टैक्स

अगर आप लगातार पांच साल की सेवा से पहले इपीएफ निकालते हैं, तो 10 प्रतिशत की दर से टीडीएस काटा जाता है। इसके लिए रुपये निकालते समय पैन नंबर देना होता है। ऐसा नहीं करने पर टीडीएस की दर 30 प्रतिशत हो जाती है।

इन परिस्थितियों में निकाल सकते हैं रकम

इपीएफ खाते से शादी के लिए रुपये निकाल सकते हैं, लेकिन तीन बार से अधिक नहीं। इसके साथ उच्च शिक्षा के लिए रुपये निकाले जा सकते हैं। वहीं घर या प्लाट खरीदने के लिए एक बार रुपये निकाले जा सकते हैं। वहीं मेडिकल इमरजेंसी में रुपये निकालने की छूट है।

> भविष्य निधि खाता कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत खोला जाता है। यह भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। यदि लोग इस खाते का इस्तेमाल बैंक एकाउंट की तरह करेंगे, तो उन्हें नौकरी छोड़ने या निकाले जाने की स्थित में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बहुत ही ज्यादा जरूरत होने पर ही इसका इस्तेमाल किया जाए।
>
> **- पंकज, अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य आयुक्त मप्र-छत्तीसगढ़**

50 प्रतिशत लोग नौकरी छोड़ने के बाद निकाल लेते है पूरा पैसा

इपीएफओ, कर्मचारियों को भविष्य निधि के साथ पेंशन भी देता है। लेकिन हर वर्ष पैसा निकालने वाले लोगों में 50 प्रतिशत लोग ऐसे होते हैं, जो नौकरी छोड़ने के बाद पूरा पैसा निकाल लेते हैं। जबकि वे अगली नौकरी की कटौती भी इसमें जमा कराते हुए इसे नियमित रख सकते हैं। खाते में बैलेंस रहता है तो कर्मचारी और उसकी मृत्यु की स्थिति में उसके पत्नी और बच्चों को पेंशन का लाभ मिलता है। यदि कर्मचारी ने एक दिन भी काम किया है तो उसके स्वजन को पेंशन का लाभ मिलता है।

कांग्रेस विधायक अजब सिंह कुशवाह ने नहीं दिया विधानसभा को नोटिस का जवाब

भोपाल ईएमएस। जमीन की धोखाधड़ी के मामले सुमावली से कांग्रेस विधायक अजब सिंह कुशवाहा को दो वर्ष की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता पर खतरा मंडराने लगा है। विधानसभा सचिवालय ने मामले पर संज्ञान लेते हुए उन्हें नोटिस देकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। बुधवार शाम तक उनकी ओर से सचिवालय को कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। यदि एक सप्ताह में विधायक द्वारा स्थिति स्पष्ट नहीं की जाती है तो सचिवालय आगामी कदम उठाएगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में प्रविधान है कि किसी विधायक को दो वर्ष या उससे अधिक की जेल की सजा सुनाई जाती है तो वह अयोग्य हो जाता है। सुमावली से विधायक को न्यायालय द्वारा सजा सुनाए जाने की सूचना प्राप्त हुई। उन्हें नोटिस देकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। अभी तक उनका पक्ष प्राप्त नहीं हुआ है। एक सप्ताह तक यदि वे स्थिति स्पष्ट नहीं करते हैं तो नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। उधर, सूत्रों का कहना है कि विधायक एक-दो दिन में हाईकोर्ट में अपील दायर कर सकते हैं। इसको लेकर वे अधिवक्ताओं के संपर्क में हैं।

सैकड़ों निर्माण कार्य बरसों से पडे हैं आधे अधूरे चढ़ा दी गई है कमीशन खोरी की बलि

कुंडम, यशभारत। जनपद पंचायत कुंडम के अंतर्गत मनरेगा द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य में भारी धांधली शासन-प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है आदिवासी ग्रामीण क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन की राशियों की कैसी होली खेली जाती है यह कोई अंदाजा नहीं लगा सकता इन दिनों ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्य जैसे पंचायत भवन आंगनवाड़ी भवन रंगमंच निर्माण स्टॉप डेमो का जीर्णोद्धार शांति धाम बाउंड्री वाल नाली निर्माण बाउंड्री वाल निर्माण ऐसे अनेक कार्य ग्रांड फार्मर की राशि एवं 15 में वित्त की राशि से करोड़ों रुपए के कार्य जनपद पंचायत कुंडम द्वारा कराए जा रहे हैं जहां पर सहायक यंत्री और उपयंत्रीयों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार की बलि चढ़ाई जा रही है और शासन-प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है जनपद पंचायत कुंडम के अंतर्गत 68 ग्राम पंचायत आती है और प्रत्येक ग्राम पंचायतों पर निर्माण कार्य कराए जा रहे जिनमें सचिव सरपंचों का कहना है की सहायक यंत्री मनरेगा वीरेंद्र सिंह ठाकुर खुलेआम 5 से 10त्न कमीशन की मांग की जाती

है फिर इनमें उपयंत्रीयों को भी देना पड़ता है इन्हीं सब में पैसा बंट जाता है तो हम लोग कार्य अच्छा कैसे करा पाएंगे और उसे कैसे पूर्ण कर पाएंगे इन्हीं के चलते आज जनपद पंचायत कुंडम के अंतर्गत 30 से 35 पंचायतों में पूर्व के आधे अधूरे कार्य पढ़े हुए जो आज दिनांक तक पूर्ण नहीं किए जा सके और राशि पूरी निकाली गई ग्राम पंचायत गौरी आंगनवाड़ी भवन विगत 7 साल से आधी अधूरी पड़ी है ग्राम पंचायत गौरी नाली निर्माण का कार्य आधा अधूरा पड़ा हुआ है और राशि पूरी निकाली ली गई है सहायक यंत्री उपयंत्री अपना कमीशन लेकर निकल जाते हैं इसी प्रकार ग्राम पंचायत जमगांव पड़रिया कल्याणपुर देवरी ईमलाई बडखेरा मड़ाई मखरार भैंसवाही झिरिया जैतपुरी सलैया हाड़ीपानी रमपुरी चिरईपानी झिरमिला बघराजी लहसर धनवाही सहित अनेक ग्राम पंचायतों में आज भी करोड़ों रुपए के आधे अधूरे कार्य पढ़े हुए जिसे कोई अधिकारी आज दिनांक तक ध्यान देने को तैयार नहीं है और ना ही आधे अधूरे कार्यों की जांच करने को तैयार नहीं है इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि कुंडम क्षेत्र एक आदिवासी क्षेत्र है जहां पर सहायक यंत्री उपयंत्री द्वारा जंगलराज चलाया जा रहा है अनेक बार शिकायत करने पर इन अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता अभी भी सहायक यंत्री द्वारा 10त्न कमीशन लेकर खुलेआम निर्माण कार्य शुरू कर रहे नए नए सरपंच एवं सचिव इन की गिरफ्त में हैं कलेक्टर जबलपुर एवं जिला पंचायत सीईओ जबलपुर से ग्रामीण जनों ने मांग की है की आदिवासी क्षेत्र कुंडम जनपद पंचायत से भ्रष्ट अधिकारियों की जांच कर तत्काल हटाने की मांग एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

जमीन पर बैठ कर शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर है छात्रायें

तेंदूखेड़ा यभाप्र। तेंदूखेड़ा क्षेत्र की शासकीय शैक्षणिक व्यवस्था की विसंगतियों की जितनी भी चर्चा की जाये शायद वह कम होगी। तहसील मुख्यालय मे संचालित शास. कन्या उच्च. माध्यमिक विद्यालय जो बालिका शिक्षा के लिये वरदान सावित हुई है। इस विद्यालय मे काफी दूर दूर से छात्रायें कक्षा 11वीं और 12वीं की शिक्षा ग्रहण करने हेतु पंहुचा करती है। विधायक संजय शर्मा के अथक प्रयासों तथा मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के सहयोग से विद्यालय मे छात्रों की संख्या को देखते हुये बैठने को लेकर हो रही समस्या का निराकरण कराने मे महती भूमिका निभाई है। वहीं नगर परिषद के सहयोग से अधूरी पड़ी बाउंड्री वॉल को पूर्ण कर इस विद्यालय की सुरक्षा मे महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। चूंकि अतिरिक्त कक्षों के निर्माण का कार्य अंतिम स्थिति में है बालक उच्च. माध्यमिक विद्यालय की गंभीर और जर्जर स्थिति को देखते हुये जिला निर्वाचन शाखा द्वारा त्रिपंचायती राज व्यवस्था और नगरीय निकाय के चुनाव कन्या उच्च. माध्यमिक विद्यालय परिसर से संपन्न कराये गये थे। चुनावी प्रक्रिया के चलते अगस्त माह तक विद्यालय का संचालन भी नहीं हो सका था। जैसे तैसे संचालन शुरू तो हो गया है लेकिन कुछ कक्षों मे निर्वाचन सामग्री पड़ी होने के कारण छात्राओं को बैठने मे संकीर्णता हो रही है। कक्षा 9 वीं मे 146 छात्रायें अध्यनरत है और तीन कक्षों मे इनकी कक्षायें संचालित हुआ करती है। दो कक्षों मे निर्वाचन शाखा की सामग्री पड़ी होने के कारण कंप्यूटर वाले कक्षों मे संकीर्ण माहौल मे छात्राओं को नीचे फर्श पर बिठाकर अध्यापन कराना प्रबंधन की मजबूरी बनी हुई है। सर्दी के मौसम मे छात्राओं की नीचे बिठाकर शिक्षा ग्रहण कराना मानवीय दृष्टिकोण से मुनासिफतो नहीं है फिर भी बालिकाओं की मजबूरी? छात्राओं ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि इस विषय को लेकर अनेकों बार विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य को शिकायत के रूप मे अवगत कराया गया है लेकिन अभी तक कोई उचित हल नहीं निकल सका है। जब इस वारे मे विद्यालय के प्राचार्य से चर्चा की गई तो उनका भी यही कहना है कि इस विषय को वृष्ट अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है उनके द्वारा भी शीघ्र ही सामग्री उठवा लेने का आस्वासन दिया गया है।

बच्चों से भरी स्कूल वैन को ट्रक ने मारी टक्कर

गोटेगांव, यशभारत। निकटवर्ती ग्राम कुर्सीवाडा चौराहा स्थित वृंदावन वाटिका ढाबा के पास शाम 4 बजे के लगभग स्कूल की छुट्टी होने के पश्चात स्कूलवैन गोटेगांव से बच्चों को लेकर कंजई रोड की तरफ जा रही थी तभी जबलपुररोड पर स्थित वृंदावन वाटिका ढाबा के पास सामने से आ रहे सीमेंट भरे ट्रक ने वैन को टक्कर मार देने पर बच्चों से भरी बेन पलट जाने पर ऊपर वाले की मेहरबानी से बहुत बड़ा हादसा होते-होते बच गया तत्काल घटनास्थल पर आसपास निवासरत नागरिकों ने पहुंचकर बच्चों को गाड़ी के अंदर से निकाल कर घटना की जानकारी पुलिस थाना गोटेगांव को दी जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर एंबुलेंस से मामूली चोट पीड़ित 3 को शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्यकेंद्र गोटेगांव पहुंचाने के अलावा वैंन में सवार सभी बच्चों को सकुशल उनके घर पहुंचाने के उपरांत हादसे के कारण रोड पर लगे हुए जाम तो खुलवाकर आवागमन चालू करवाया इस संबंध में डॉ एच एस धुर्वे ने बताया कि 3 बच्चों व चालक संदीपकुमार को मामूली चोटें आने पर मलमपट्टी कर उन्हें अपने अपने घर सुरक्षित भिजवाकर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

श्रीनगर में एचआईवी एड्स जागरूकता हेतु निकली रैली

गोटेगांव, यशभारत। ग्राम श्रीनगर स्थित श्रीजगद्गुरु शंकराचार्य कला वाणिज्य विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब सदस्यों ने संयुक्त रूप से एचआईवी एड्स जागरूकता हेतु रैली का आयोजन किया रैली का शुभारंभ महाविद्यालय मुखिया एवं राष्ट्रीय सेवायोजन जिलासंगठक डॉ दिलीपपाठक ने हरी झंडी दिखाकररवाना किया रैली कार्यक्रमअधिकारी डॉ आशीष ठाकुर के निर्देशन में ग्राम श्रीनगर केमुख्य मार्गों से होते हुए एचआईवी एड्स का संदेश देकर जन जागरूकता हेतु नारे लगाते हुए लोगों को एचआईवी के प्रति जागरूक करते हुए पुनःमहाविद्यालय परिसर पहुंची जन जागरूकता रैली में प्रो.कमलपटेल कार्यक्रम अधिकारी संध्यासिंह प्रो.विवेकजैन प्रो.राहुलनेमा छत्रपालपटेल एसपी डेहरिया अंकित नामदेव भूपतसेन राजादुबे केहरठाकुर रोहितयादव सहित समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक उपस्थित थे.।

ग्राम पंचायत मोहद व करताज का किया भ्रमण

कलेक्टर ने करेली में किया धान उपार्जन केन्द्र, छात्रावास, स्कूल व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

नरसिंहपुर यभाप्र। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने करेली विकासखंड में धान उपार्जन केन्द्रों, जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावासों, तहसील कार्यालय, सीएम राइज स्कूल व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम पंचायत मोहद व करताज का भी भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ संजय सोनवणे और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

कलेक्टर ने भुगवारा में नेहा वेयर हाउस में बनाये गये धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अपने सामने तौल कांटे में धान की बोरी की तौल कराई। उन्होंने वजन मशीन तौल कांटों के सत्यापनए दर्ज किसान, स्लॉट बुकिंग, रजिस्टर एवं कम्प्यूटर में एंट्रीए नमी मापक यंत्र, धान में कचरे की मात्रा की जानकारी ली। उन्होंने धान का नमूना भी देखा। उन्होंने क्वालिटी सर्वेयर को निर्देशित किया कि एफएक्यू गुणवत्ता का धान ही खरीदा जाये। उन्होंने अपने सामने धान की गुणवत्ता का परीक्षण कराया। उन्होंने निर्देशित किया कि खरीदी किसान से ही की जाये, किसी व्यापारी से नहीं। उन्हें अवगत कराया गया कि अब तक 10 किसानों से 530 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। इसके बाद कलेक्टर ने करेली में 3, 3 सी वेयर हाउस में बनाये गये धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। इस केन्द्र में खरीदी का कार्य श्री गणेश ग्राम संगठन जोबा के स्वसहायता समूह की महिलायें कर रही हैं। उन्होंने उपार्जन से होने वाली आय के बारे में जानकारी ली। केन्द्र में कम खरीदी होने पर उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी को स्लॉट बुकिंग बढ़वाने के निर्देश दिये। उन्होंने समूह की महिलाओं से अपने गांव में इस खरीदी केन्द्र का प्रचार- प्रसार करने की बात कही।

कलेक्टर ने करेली में जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत अनुसूचित जाति बालक

उत्कृष्ट छात्रावास और बाबू जगजीवनराम अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि छात्रावासों की सभी सीटें एक सप्ताह के भीतर भरना सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर ने छात्रावासों में शयन कक्ष, टायलेट्स, अध्ययन कक्ष, किचिन आदि का निरीक्षण किया। अनुसूचित जाति बालक उत्कृष्ट छात्रावास की व्यवस्थायें सही नहीं पाये जाने पर कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस देने और एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। चौकीदार द्वारा छात्रावास में अस्थाई कक्ष बनाकर गाय रखने पर कलेक्टर ने अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अतिक्रमण हटवाने और चौकीदार को हटाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बच्चों से बात की। उन्होंने टायलेट की मरम्मत, पानी की टंकी की व्यवस्था कराने और अनुपयोगी सामग्री हटवाने के निर्देश दिये। उन्होंने टीवी एवं आरओ संयंत्र की व्यवस्था करने और छात्रावास के विभिन्न कक्षों में लाइट एवं वेंटीलेशन समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिये। उन्होंने यहां वाटिका बनाकर सब्जियां लगाने के लिए कहा। कलेक्टर ने छात्रावास परिसर का समतलीकरण कराकर खेल मैदान तैयार करवाने के लिए सीएमओ को निर्देशित किया। बाबू जगजीवनराम अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अलमारी रखवाने, खिड़कियों में जाली लगवाने, आवश्यक मरम्मत के कार्य करवाने, लायब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें उपलब्ध करवाने, किचिन का वॉश एरिया अच्छा तैयार कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला संयोजक को सभी छात्रावासों में खेल मैदान की व्यवस्था कराने के लिए निर्देशित किया।

संयुक्त तहसील कार्यालय करेली का निरीक्षण

कलेक्टर सुश्री बाफना ने संयुक्त तहसील कार्यालय करेली का निरीक्षण कर भवन में मरम्मत में आवश्यक कार्य कराने के लिए पीआईयू के अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने तहसीलदार न्यायालय में राजस्व प्रकरण निकलवाकर देखे। उन्होंने निर्देशित किया कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण शीघ्र किया जाये। उन्होंने तहसील परिसर में पौधरोपण कर विकसित करने के निर्देश दिये। उन्होंने दीदी कैफे की व्यवस्था कराने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने करेली में सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने फिजिक्स व केमिस्ट्री की लैब और अटल टिंकरिंग लैब का अवलोकन किया। उन्होंने फिजिक्स लैब में पर्याप्त उपकरणों की व्यवस्था कराने के निर्देश दिये। अटल टिंकरिंग लैब में लाईट की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिये। उन्होंने प्राचार्य से बोर्ड परीक्षा के परिणाम की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि इस बार बोर्ड परीक्षाओं में 70 प्रतिशत से कम परिणाम नहीं आना चाहिये।

तीन रेलखण्डों में गति में सुधार

अब 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलाई जा सकेंगी रेलगाड़ियां

यात्रियों का छूटा सामान उनके सुपुर्द किया

जबलपुर यशभारत। पश्चिम मध्य रेल में विभिन्न रेलखण्डों में स्पीड को बढ़ाने के लिए नई तकनीक का उपयोग करके उत्तरोत्तर वृद्धि की जा रही है। रेलखण्डों में गति को बढ़ाने के लिए महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में विभिन्न अधोसरंचना के कार्यों को पमरे के तीनों मण्डलों द्वारा लम्बे ब्लॉक सेक्शनों पर दोहरीकरण और तिहरीकरण तथा गति प्रतिबंध हटाना, अधोसरंचना के कार्य को योजनबद्ध तरीके से करना, इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नल (आईबीएस) स्थापित करना आदि काम किये जा रहे है। यार्ड रिमॉडलिंग के कार्य पुरे किये गए और साथ ही साथ क्रॉस ओवर डालकर यार्ड की शंटिंग एवं रनिंग फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाई गई। जिसके कारण गाड़ियों के डिस्पेच और रिसीव में डिटेंशन को कम से कम किया गया। पुराने ब्रिजों के गर्डर को बदला गया एवं सुधारीकरण में उच्च गुणवत्ता के साथ रखरखाव किया गया। ब्रिजों के गति प्रतिबंध को भी हटाया गया। इसी कड़ी में नवम्बर माह में पमरे के तीन रेलखण्डों में कुल 149 रूट किलोमीटर पर गति में वृद्धि की गई। चालू वित्तीय वर्ष में नवम्बर माह तक रेलवे बोर्ड द्वारा 198 रूट किलोमीटर पर गति में वृद्धि करने का लक्ष्य दिया गया था जिसकी तुलना में पश्चिम मध्य रेलवे ने तीनों मण्डलों के 10 रेलखण्डों पर कुल 348 रूट किलोमीटर में सेक्शनल स्पीड में वृद्धि कर दी है।

जबलपुर यशभारत । रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा रेलवे संपत्ति, रेल परिसर, यात्रियों और उससे जुड़े मामलों की सुरक्षा की जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने हेतु चौबीसों घंटे सतत कार्य किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सराहनीय कार्य करते हुए ऑपरेशन अमानत अभियान के तहत रेलगाड़ियों में छूटे सामानों को सुपुर्द किया है। जबलपुर मंडल के पोस्ट सतना सहायक उपनिरीक्षक एम.पी. मिश्रा एवं आर. गोविंद नारायण सिंह को सतना स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 पर एक मोबाइल चार्ज में लगा हुआ दिखाई दिया द्य आसपास के यात्रियों से पूछताछ करने पर कोई भी यात्री उक्त मोबाइल का वारिस होना नहीं बताया है। अतः मोबाइल को आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया कुछ समय बाद उस मोबाइल में फोन आने पर एक यात्री ने बताया कि उसका मोबाइल सतना स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 मे चार्ज में लगा हुआ था जल्दीबाजी में गाड़ी आने पर वह ट्रेन पकड़ कर बिलासपुर के लिए रवाना हो गया और प्लेटफॉर्म पर मोबाईल छूट गया है। सत्यापन कर मोबाइल नियमानुसार सौंपा गया। आरपीएफ की कार्रवाई पर यात्री द्वारा खुशी जाहिर कर प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया इसी प्रकार एक अन्य घटना में जबलपुर मण्डल के पोस्ट पिपरिया*से आरक्षक सुबोध कुमार मिश्रा ने नरसिहंपुर स्टेशन को सूचना दी कि गाडी नं. 18233 नर्मदा एक्प्रेस के कोच न. एस-07, बर्थ न. 25 पर यात्रा कर रहे यात्री विष्णु साहु का पिटठू बैग जिसमें कम्बल, बेडशीट, मोबाइल चार्जर, मोबाईल फोन बर्थ पर ही छूट गया है। सूचना पर नरसिहंपुर स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ आरक्षक कृष्णकांत बैठा द्वारा गाडी के आगमन पर अटेण्ड कर उक्त सामान के संबध में अन्य यात्रियो से पूछने पर किसी ने अपना नही बताया। जिसे उतारकर आरपीएफ पोस्ट लाया। यात्री नरसिहंपुर में उपस्थित होकर सत्यापन की जानकारी पिपरिया रेल सुरक्षा बल को दी। यात्री द्वारा अपने सामान को सही पाकर उक्त सामान की कीमत लगभग 5000/-रुपये बताया उक्त बैग को दो गवाहों के समक्ष सुपूर्द किया गया।

उड़नदस्ता की ताबड़तोड़ कार्रवाई. बिना टिकट यात्रियों से वसूले 4 लाख 15 हजार

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रेल मंडल में रेलवे अधिकारियो के साथ उड़न दस्ते द्वारा दिन भर किये गये सरप्राइज टिकिट जाँच अभियान में अनियमित तथा बिना टिकिट के यात्रा करते हुए चार सैकड़ा से अधिक लोगो को पकड़ा गया. इसके साथ ही छोटे स्टेशनों पर टिकिट जाँच की खबर से काउंटरो पर बड़ी संख्या में लोगो को टिकिट लेते लाईन में लगा देखा गया. इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्वरंजन ने बताया कि श्रोत सूचना पर एक दर्जन गाडियों में मंडल के चल टिकट निरीक्षकों ने सघन जांच अभियान चलाया था। इस जांच अभियान में 435 यात्रियों को पकड़ कर उनसे चार लाख 15 हजार रुपए से अधिक की राशि बतौर जुर्माना प्राप्त करके रेल राजस्व में जमा की गयी है ।सहायक वाणिज्य प्रबंधक पंकज दुबे के नेतृतव में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक नंदन कुमार सहित चल टिकिट निरीक्षकों एस.एल.भारतीय, आर.के. पांडे, आर.एन. गर्ग, विनेश रजक, कमल सिंह, राकेश सिंह, अमन खान, राजेश दुबे,आशीष कुमार, महेश समन, विनय खरे की टीम ने जांच अभियान में शामिल रहे उल्लेखनीय है कि जबलपुर रेल मंडल द्वारा गत नवम्बर माह में 66 हजार से अधिक यात्रियों को अनियमित टिकट अथवा बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ कर उनसे 5 करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना वसूल किया है।

रेलवे के ठेका मजदूरों को दी भविष्य निधि की जानकारी

जबलपुर यशभारत। रेलवे में कार्यरत ठेका मजदूरों को मिलने वाली भविष्य निधि की राशी का उनके भविष्य निधि खातों में पहुचने एवं उसके लाभों की जानकारी देने हेतु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अधिकारियों द्वारा रेलवे अधिकारीयों, कांट्रेक्टर एवं कांट्रेक्टर के श्रमिकों को भविष्य निधि के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील ने विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय भविष्य निधि कमिश्नर श्री राकेश सेहरावत, का तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता ने आशीष कुमार,क्षेत्रीय भविष्य निधि कमिश्नर ग्रेड द्वद्व का स्वागत किया । संगोष्ठी में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अधिकारियों द्वारा उपस्थित अधिकारी एवं ठेकेदारों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा प्रेजेंटेशन दिया ।संगोष्ठी में वरि. मंडलकार्मिकअधिकारी सुबोध विश्वकर्मा, वरि.मंडलइंजीनियर (समन्वय) जे.पी.सिंह, वरि.मंडल यांत्रिक इंजीनियर मनीषपटेल आदि अधिकारी एवं डिलिंग कर्मचारीउपस्थितथे।

बीडीयू टीम ने 13 करोड 89 लाख का रेल राजस्व अर्जित किया

जबलपुर यशभारत। व्यवसाय विकास इकाई (बीडीयू) की स्थापना पमरे मुख्यालय और तीनों मंडलों में की गई है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा मिशन मोड के तहत माल ढुलाई को बेहद आकर्षक बनाने के लिए मालभाड़ा व्यापारियों को कई तरह की रियायतें/छूट एवं सुविधाएं भी दी जा रही हैं। जिससे व्यापारी अधिक से अधिक रेलवे की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। पमरे अपने परंपरागत माल ढुलाई के अलावा अन्य नए माल उत्पादकों को भी प्रोत्साहित कर रही है। परिणाम स्वरूप पमरे ने इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल से नवम्बर 2022 तक बीडीयू के तहत नई स्ट्रीम फ्रेट लोडिंग से 13 करोड 89 लाख का रेल राजस्व अर्जित किया* जिसमें अप्रैल में 2 करोड 30 लाख, मई में 1 करोड 50 लाख, जून में 6 करोड़ 60 लाख, जुलाई में लगभग 57 लाख, अगस्त लगभग 33 लाख सितम्बर में 01 करोड़ 14 लाख, अक्टूबर में 59 लाख एवं नंवबर में 86 लाख रुपए का रेल राजस्व अर्जित किया। पमरे के तीनों मण्डलों में स्थापित बीडीयू मार्केटिंग के तहत अक्टूबर एवं नवम्बर माह में निम्नानुसार नया बिजनेस हासिल किया है ग्फ्लाई ऐश लोडिंग--* भोपाल मण्डल के साइडिंग श्री सिंगाजी थर्मल पॉवर प्लांट से लासल गांव एवं फुरसुंगी (भुसावल मण्डल) और दौंड (सोलापुर मण्डल) के लिए 05 रैक फ्लाई ऐश की लोडिंग की गई। इससे रेलवे को रुपये 105 लाख 34 हजार की आय प्राप्त हुआ। इसी तरह से मक्का लोडिंग में भोपाल मण्डल में बनापुरा गुड्स शेड से रुद्रपुर सिटी (इज्ज़तनगर मण्डल) के लिए 01 रैक की लोडिंग की गई, जिससे रेलवे को 39 लाख 85 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

जनता की समस्याओ का निदान ही जनसुनवाई का संकल्प : पटेल

गोटेगांव , यशभारत। विगत दिवस दिन गुरूवार को नगर के स्थानीय नगर देवता श्री देव ठाकुर बाबा मंदिर के पास स्थिर एसआरजी कार्यालय में अब प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई का आयोजन युवा नेता मणिनागेन्द्र सिंह मोनू पटेल द्वारा किया जाता है इसी क्रम में वर्ष 2022 की तीसरी सप्ताहिक जनसुनवाई विगत दिवस गुरूवार को की गई जिसमे युवा नेता श्री पटेल ने जनता की परेशानियों सुनी एवं उनके समाधान के हर संभव प्रयास किए गए जैसा की सभी को विदित है बीजेपी के कद्दावर नेता केंद्र में राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की प्रेरणा एवं पूर्व राज्यमंत्री नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित इस जनसुनवाई में भाजपा युवानेता तरुणाई समाजसेवी गरीबों के हमदर्द एवं क्षेत्र के मशीहा मणिनागेंद्र सिंह मोनू पटेल खुद मौजूद रहकर हर जनमानस की समस्या का तुरंत निराकरण कर रहे है इसी क्रम में इस गुरुवार 198 आवेदन सुनवाई मे प्राप्त हुए है जिसमे अनेको समस्याओ का तुरंत निस्तारण किया गया है इस पहल पर युवा नेता श्री पटेल ने मीडिया से बात करते हुए बताया है जनसुनवाई मे जनमानस से जुड़ी अनेको ऐसी समस्याएं हैं जिनका लोगों को निस्तारण नहीं हो पा रहा था मेरे द्वारा जनहित को लेकर हर समस्याओं के समाधान की कोशिश की जा रही है जनता की समस्याओ का निदान ही जनसुनवाई का संकल्प है बीते दिवस 08 दिसंबर को ठाकुर बाबा मंदिर के पास में स्थित एसआरजी कार्यालय में 6 घंटे तक जनसुनवाई चली। ज्ञात होवे कि इस जनसुनवाई 198 आवेदन प्राप्त हुए थे इस जनसुनवाई में पहुंचने वाले क्षेत्र के नागरिकों सहित दूसरे जिले के भी आमजन अपनी-अपनी समस्या लेकर पहुंचे हैं जनसुनवाई में बीजेपी पार्टी के नेता, नगर के विभागीय अधिकारी कर्मचारी सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहकर हर समस्या का तुरंत समाधान करते है जनसुनवाई में ऐसे अनेकों मामले भिन्न-भिन्न विभागों से पहुंचे जिस पर कार्यवाही करते हुए युवा नेता पटेल ने तुरंत समाधान किए हैं। एसआरजी कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई में जो भी समस्याएं बीजेपी युवा नेता मणिनागेंद्र सिंह मोनू पटेल के सामने आई उन अनेको समस्याओं के निराकरण किए गए एंव जिन विभागीय अधिकारीयो द्वारा कार्यप्रणाली मे लापरवाही की जा रही थी चर्चा कर चेताया गया युवा एंव योजनाओ से बंचित रहे पात्र हितग्राहियो को उनका हक दिलाने की कोशिश की गई ।

जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश पटेल,पार्षद प्रतिनिधि दीपक सोनी,राजू राजपूत,विक्की तिवारी, मुकेश पटेल,राजेंद्र राय, डॉ अमित खरे, दादूराम पटेल,सचिन पाठक, राजा जैन, मोनू शर्मा, शरद तिवारी,दीपक पटेल, सुनील भनारे बल्ला, वीरेंद्र पटेल, वीरू तिवारी, नीरज सराफ, पत्रकार राहुल खेमरिया,राहुल पाटकर, सीताराम रजक, आशीष साहू , योगेन्द्र पटेल, संदीप विश्वकर्मा, राजेश राजपूत, बल्लू विश्वकर्मा,रिंकू झारिया, लकी महाराज ,सत्यम राजपूत, संदीप पटेल, विकास राजपूत, अनुराग उपाध्याय, योगेश कहार,मयूर,प्रखर जैन ,दुल्लीचंद विश्वकर्मा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, योगेश कहार,प्रशांत पटेल, संजय चादौरिया,धनीराम पटेल,अर्पित पटेल,सहित अनेक जनप्रतिनिधि कार्यकर्ता हितग्राही आमनागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया

नरसिंहपुर यभाप्र। देश की रक्षा एवं सुरक्षा के दौरान शहीद सैनिकों को स्मरण करने व उनके आश्रितों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे भारत में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में मनाया गया। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय नरसिंहपुर के तत्वावधान में यह आयोजन हुआ।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूजा तिवारी, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त कर्नल अमरेन्द्र कुमार दास, कल्याण संयोजक आरएस टेकाम और अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। सभी अधिकारी-कर्मचारियों को झंडा लगाकर दान राशि एकत्रित की गई। संग्रहीत राशि से शहीद सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्य किये जाते हैं।

तेंदूखेड़ा यभाप्र। विगत दिवस मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड चावरपाठा के द्वारा जनपद पंचायत के सभागार में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से सुजलाम जल महोत्सव अन्तर्गत जलागम कलश यात्रा , जलाभिषेक अभियान, नदी संरक्षण, जल संवर्धन, बोरी बंधान, नदी पुनर्जीवन, वृक्षारोपण, ऊर्जा संरक्षण व संवर्धन, नशामुक्ति अभियान, समितियों के दस्तावेजीकरण, एमआईएस फीडिंग, मतदाता जागरूकता आदि विषय पर विस्तार से चर्चा की गई।

जीता, नाचा फिर मां को चूम लिया...

मोरक्को फुटबॉलर के जश्न से छिड़ गया विवाद

कतर, एजेंसी। एक और पेनल्टी शूटआउट और एक और गोलकीपर हीरो बना। मोरक्को ने पूर्व चैंपियन स्पेन को हराते हुए पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। कनाडा में जन्में मोरक्को के छह फीट पांच इंच लंबे गोलकीपर यासिन बोनो ने पूर्व चैंपियन स्पेन को एक भी गोल दागने नहीं दिया और अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। कतर में खेले गए मैच के बाद एक और प्लेयर चर्चा में हैं। पेनल्टी शूटआउट में गोल मारने वाले अशरफ हकीमी की उनकी मां के साथ कुछ तस्वीरें वायरल हो रहीं हैं। दरअसल, मुकाबला निर्धारित समय तक 0-0 से बराबर रहा था। एक्स्ट्रा टाइम में भी दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। पेनल्टी शूटआउट में अब्देलहामिद सबीरी, हकीम जियेच और अशरफ हकीमी ने मोरक्को के लिए गोल किए जबकि बद्र बेनौन चूके गए। स्पेन से मैच जीतने के बाद मोरक्को के खिलाड़ियों ने मैदान पर जमकर जश्न मनाया। हकीमी ने जीत के बाद पहले मैदान पर डांस किया फिर स्टैंड्स पर बैठी अपनी मां के पास गए और खुशी से चूम लिया। मां-बेटे की इस मोहब्बत को अब लोग अपने-अपने हिसाब से रंग दे रहे हैं। कोई वीडियो शेयर कर रहा है तो कोई आपत्ति दर्ज कर रहा है। लोगों का तर्क है कि इस्लाम मानने वाले मां-बेटे कैसे होंठो पर किस कर सकते हैं। यह प्यार जताने का कौन सा तरीका है? मगर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो मोरक्कन फुटबॉलर का बचाव कर रहे हैं। कह रहे हैं कि हकीमी ने अपनी मां के होंठ पर चुंबन नहीं दिया बल्कि कैमरे के एंगल की वजह से ऐसा नजर आ रहा है। यह एक भ्रम से ज्यादा कुछ भी नहीं। बेल्जियम को हराने के बाद भी हकीमी अपनी मां के पास स्टैंड्स पर पहुंचे थे। तब माथा पर किस करके अपना प्यार जताया था। दोनों टीमों के बीच यह चौथा मुकाबला था और मोरक्को की टीम पहली बार स्पेन को हराने में सफल रही है। इससे पहले तीन मुकाबलों में से स्पेन ने दो में जीत दर्ज की जबकि एक ड्रॉ रहा।

टिमटिमाते सितारे की तरह था वो...सुशांत सिंह राजपूत को याद कर इमोशनल हुईं सारा अली खान

मुंबई,ईएमएस। अभिषेक कपूर की केदारनाथ फिल्म को चार साल हो गए हैं। इसी फिल्म से सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान ने डेब्यू किया था जब वह सुशांत सिंह राजपूत के अपोसिट नजर आई थीं। चौथी वर्षगांठ पर सारा ने अपने को-स्टार सुशांत सिंह राजपूत को याद किया और उन्हें टिटिमाता सितारा बताया। उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म च्केदारनाथज् से अनदेखे पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया और अपने दोस्त सुशांत को याद किया। च्केदारनाथज्फिल्म को चार साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर सारा ने फिल्म के किस्सों को शेयर किया। सैफ अली खान की लाडली सारा ने बॉलीवुड में सुशांत के अपोसिड डेब्यू किया था। सुशांत सिंह राजपूत इस दुनिया में नहीं

हैं। मगर उनकी यादें और फिल्में कभी भी भूलाई नहीं जा सकती। आइए बताते हैं सारा ने सुशांत को याद करते हुए क्या लिखा। सारा अली खान ने च्केदारनाथज् की चौथी एनिवर्सरी पर लिखा, चार साल पहले आज के ही दिन मेरा सपना पूरा हुआ था। आज भी ये एक सपने की तरह महसूस होता है और ऐसा ही एहसास बना रहेगा। मैं अगस्त 2017 में वापस जाना चाहती हूं। वापस इसका एक एक सीन दोहराना चाहती हूं। एक एक पल बेहद खास था। मैंने बहुत कुछ सुशांत से सीखा। सुशांत ने किताबों, गानों, फिल्मों, एक्टिंग, स्टार्स, आसमान से लेकर बहुत कुछ सिखाया। मैंने उस हर मैगी और कुरकुरे को एन्जॉय किया। हम 4 बजे उठकर फिल्म की तैयारी करते थे। इन लाइफटाइम यादों के लिए शुक्रिया। जय भोलेनाथ।

सुशांत चांद और तारों की तरह हैं

एक बात सारा ने लिखी कि जैसे आज रात पूरा चांद चमकता है ठीक ऐसे ही सुशांत भी टिमटिमा रहे हैं। वह वो चमकता सितारा हैं जो हमेशा हमेशा ऐसे ही बने रहेंगे। केदारनाथ से एंड्रोमेडा (आकाशगंगा) तक। सारा के पोस्ट को देख एक बार फिर सुशांत के फैन इमोशनल हो गए। बता दें 14 जून 2020 को सुशांत अपने फ्लैट पर मृत पाए गए थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है। केदारनाथ फिल्म सारा अली खान की डेब्यू थी तो सुशांत इससे पहले बॉलीवुड में नाम कमा चुके थे। इसका निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया था तो 35 करोड़ रुपये में इसे तैयार किया गया था। इसके कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा रहे।

इंग्लैंड के फुटबॉलरों की बवाली पत्नियां...

नशे में टल्ली होकर की शर्मनाक हरकत, अब भेजी जाएंगी अपने देश

दोहा, एजेंसियां। कतर में जारी फीफा विश्व कप 2022 में इंग्लैंड के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी है। इंग्लैंड की टीम ने अब तक कुल तीन मैच खेल चुकी है जिसमें उसने दो में जीत हासिल की और एक मुकाबला ड्रॉ रहा है। एक तरफ जहां इंग्लैंड फुटबॉल अपनी जीत के लिए जी जान लगा रहे हैं तो दूसरी ओर उनकी पत्नियां और गर्लफ्रेंड कतर में बवाल काट रही हैं। ताजा मामला जैक ग्रीलिश और हैरी मैगुइरे से जुड़ा हुआ है। उनकी पत्नी और गर्लफ्रेंड ने कतर में एक लग्जरी क्रूज पर जमकर हंगामा किया है।

जैक ग्रीलिश और हैरी मैगुइरे से जुड़ा है मामला

एक ताजा मामला इंग्लैंड के फुटबॉल जैक ग्रीलिश और हैरी मैगुइरे से जुड़ा सामने आया है। दरअसल ग्रीलिश की गर्लफ्रेंड साशा अटवुड और मैगुइरे की पत्नी फर्न हॉकिन्स ने कतर में एक लग्जरी क्रूज पर जमकर हंगामा किया, जिसके कारण वहां मौजूद बांकी लोगों को परेशानी हुई।

नशे में टल्ली होकर किया हंगामा

डेली मेल के रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड की जीत के बाद ये साशा और फर्न जश्न मनाते हुए इस हद तक चली गई हैं कि उन्होंने पांचवीं मंजिल पर एट्रियम में पेशाब कर दिया। उनके शोर शराबे और हंगामे के कारण अन्य लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें वापस इंग्लैंड भी भेजा जा सकता है।

विश्व कप के दौरान सभी खिलाड़ियों का परिवार है उनके साथ

कतर में जारी फीफा विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के फुटबॉलरों के परिवार और उनकी गर्लफ्रेंड भी उनके साथ यहां आई हैं। इंग्लैंड टीम के मैनेजर गैरेथ साउथगेट भी हमेशा से इसके पक्ष में रहे हैं कि खिलाड़ियों का परिवार उनके साथ रहे लेकिन कतर में वह अपनी हरकतों से काफी सुर्खियों में हैं।

3 महीने में 9 वनडे 6 टी 20 और 4 टेस्ट टीम इंडिया को सांस लेने की फुर्सत नहीं

मुंबई, ईएमएस। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया यानी BCCI ने साल 2023 में होने वाली घरेलू सीरीज के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। टीम इंडिया को अगले साल श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करनी है। इस होम कैलेंडर की शुरुआत 3 जनवरी से होगी। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच की टी-20 और इतने ही वनडे इंटरनेशनल की सीरीज होनी है। इसके बाद 18 जनवरी से न्यूजीलैंड के विरुद्ध तीन वनडे और तीन टी-20 मैच होंगे। 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले चार मैच की टेस्ट सीरीज और उसके बाद 17 मार्च से तीन एकदिवसीय मुकाबलों की श्रृंखला खेली जाएगी।

मां बनने के बाद पहली बार वर्कआउट पर निकलीं आलिया को देख बोले लोग-इतनी जल्दी शेप में आ गईं!

मुंबई, ईएमएस। आलिया भट्ट मां बनने के करीब 1 महीने बाद अब फिटनेस रुटीन पर निकल चुकी हैं। वर्कआउट के लिए निकलीं आलिया का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं और कह रहे हैं- कितनी जल्दी वह अपने पुराने शेप में आ गईं। कुछ लोगों ने उन्हें फिलहाल बच्चे के साथ रहने की सलाह दी है। आलिया भट्ट मां बनने के ठीक एक महीने बाद फिटनेस रुटीन पर निकल चुकी हैं। आलिया भट्ट का लेटेस्ट वीडियो सामने आया है जिसमें वह अपने घर से वर्कआउट के लिए निकलती नजर आ रही हैं। बता दें कि आलिया हाल ही में 6 नवंबर को मां बनी हैं और अब 7 दिसम्बर को वह वर्कआउट के लिए निकलती दिखीं। इस वीडियो में आलिया की शेप देखकर लोग हैरान हैं।

लोगों ने आलिया से पूछा है- बेबी कहां है?

इस वीडियो में Alia bhatt ब्लैक आउटफिट में और काफी सिंपल दिख रही हैं। वीडियो में आलिया नॉर्मल शेप में दिख रहीं और यही देखकर लोग हैरान भी हैं। हालांकि, इतनी जल्दी आलिया का बच्चे को छोड़कर निकलना लोगों को अच्छा नहीं लग रहा। लोगों ने पूछा है- बेबी कहां है? कुछ लोगों ने उन्हें बच्ची के साथ रहने की सलाह दी है। यूजर ने कहा है, आप दोनों को एक-दूसरे की जरूरत है, नैनी की नहीं। आप काम और वर्कआउट बाद में भी कर सकती हैं। एक फैन ने कहा, रुकिए, क्या है? मुझे लगा कि ये पुराना वीडियो है। आलिया बहुत जल्दी शेप में आ गई। मैं सचमुच उनके प्रेग्नेंसी वर्जन को मिस कर रही। बता दें कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने अपनी बच्ची का नाम राहा रखा है। दोनों की शादी इसी साल 14 अप्रैल को हुई और 2 महीने बाद उन्होंने मां बनने की खुशखबरी सोशल मीडिया पर शेयर की।

फिल्म लेकर आ रहे शाहरुख के बेटे आर्यन खान

कहा- पापा सेट पर आपके सरप्राइज विजिट का इंतजार रहेगा

मुंबई, ईएमएस। जिन लोगों को शाहरुख खान के बेटे का इंडस्ट्री में काम करने को लेकर इंतजार था, उनके लिए शायद यह एक अच्छी खबर हो सकती है। कहा जा रहा है कि आर्यन खान फिल्म के डायरेक्शन के लिए तैयार हैं। हालांकि, इसे लेकर ऑफिशियल कोई कन्फर्मेशन नहीं किया गया था। खैर, आखिरकार अब सच सामने आ चुका है। आर्यन ने खुद अपने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा की है कि उन्होंने अपनी फर्स्ट स्क्रिप्ट लिखकर तैयार कर ली है और कहा है कि वह फिल्म का निर्देशन भी करने जा रहे हैं। आर्यन ने इंस्टाग्राम पर लिखा है, च्कहानी लिख चुका हूं और एक्शन कहने का और इंतजार नहीं हो पा रहा।ज आर्यन ने ये बातें कहते हुए एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें डेस्क पर राइटिंग पैड पड़ा है और उसपर लिखा है फॉर आर्यन खान। क्लैपबोर्ड पर Red Chillies Entertainment लिखा नजर आ रहा है। इन झलकियों से एक बात तो साफ है कि आर्यन जो भी फिल्म बनाने जा रहे हैं वह शाहरुख खान के प्रॉडक्शन हाउस के बैनर तले बनेगी। आर्यन के इस पोस्ट पर पापा शाहरुख खान ने भी कॉमेंट किया है। उन्होंने लिखा है, 'Wow सोच, भरोसा और सपना सब पूरा हुआ। अब हिम्मत दिखाना है। तुम्हारे इस पहले काम के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। यह हमेशा स्पेशल रहेगा।ज हालांकि, पापा और बेटे के बीच की यह बात यहीं खत्म नहीं हुई। आर्यन ने पिता की बातों का जवाब दिया है और कहा, च्थैंक यू पापा, सेट पर आपके सरप्राइज विजिट का इंतजार रहेगा। हाहाहा।

शाहरुख ने कहा- फिर आफ्टरनून शिफ्ट रखना

इसपर शाहरुख खान ने फिर से कहा, च्तो बेहतर है कि दोपहर का शिफ्ट रखो, एकदम सुबह की नहीं। आर्यन ने उन्हें भरोसा दिया कि वह केवल नाइट शिफ्ट रखेंगे। इस दौरान गौरी खान भी अपना एक्साइटमेंट छुपा न सकीं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है- तुम्हारी फिल्म देखने का अब और इंतजार नहीं कर सकती।

वेब सीरीज की तरफ भी हुआ है इशारा

ऑथर और स्क्रीनराइटर विलाल सिद्दीकी ने आर्यन के पोस्ट पर लिखा है- सीरीज भी बाकी है मेरे दोस्त। अब ऐसी उम्मीद लगाई जा रही है कि क्या आर्यन वेब सीरीज भी डायरेक्ट करने जा रहे हैं? हालांकि, इस बारे में और जानने के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

सुहाना भी करने जा रही हैं डेब्यू

मिली जानकारी के मुताबिक, इस प्रॉजेक्ट पर काम साल 2023 में शुरू होगा, जिसमें आर्यन डायरेक्शन के काम से डेब्यू करेंगे। वहीं सुहाना खान भी एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू वकर चुकी हैं और पहली फिल्म जोया अख्तर की च्द आर्चीजज् है, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

वेदात मराठे वीर दौड़ सात में नजर आएंगे अक्षय

मुंबई, ईएमएस। आगामी मराठी फिल्म वेदात मराठे वीर दौड़ सात में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार नजर आएंगे। फिल्म से अक्षय कुमार का फर्स्ट लुक रीलीज होने के बाद खूब ट्रोल हो रहा है। जिस सीन में अक्षय कुमार छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं। उस फ्रेम में एक झूमर भी दिखाता है। जिसमें बल्ब लगे हैं। ट्रोलिंग के पीछे का कारण यही है। क्योंकि बल्ब का आविष्कार छत्रपति शिवाजी महाराज के कार्यकाल के काफी बाद हुआ था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा उस सीन को रोशन करते हुए सिनेमैटोग्राफर सोच भी क्या रहा था। एक अन्य ने लिखा फोकस खींचने वाले ने उसे लाइट ईयर्स से मिस कर दिया। वे एक पीरियड फिल्म बना रहे हैं और उन्होंने टाइमलाइन के साथ खिलवाड़ किया है। कुछ शोध अच्छा होगा।

मुझे काली बिल्ली कहते थे...बॉडी शेमिंग का शिकार प्रियंका चोपड़ा ने बताया बॉलिवुड का कड़वा सच

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने आज भले ही एक मुकाम हासिल कर लिया लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत संघर्ष किया है। लोगों के ताने तक सुने हैं। पैसों तक से समझौता किया है। बीबीसी के 100 वुमेन दिस ईयर प्रोग्राम में एक्ट्रेस ने इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कभी-भी मेल एक्टर्स के बराबर उनको भुगतान नहीं किया गया। सेट पर भी आदमियों को ज्यादा फायदा मिलता था। प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) ने बताया, मुझे बॉलीवुड में कभी भी बराबरी का भुगतान नहीं किया गया। मेरे मेल को-एक्टर्स की जितनी सैलरी होती थी, उसका बस 10 पर्सेंट मुझे दिया जाता था। ये पे गैप बहुत बड़ा है। और इसीलिए कई महिलाएं आज भी डील कर रही हैं। मुझे पता है कि इससे जद्दोजहद मैं भी करूंगी अगर अभी मैंने बॉलीवुड में मेल एक्टर्स के साथ काम किया तो। मेरी जेनेरेशन की सभी महिलाओं को बराबरी के भुगतान के बारे में बात की है। हमने हमेशा बात की लेकिन कभी नहीं मिला है। प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि सेट वर उनके साथ बर्ताव कैसा होता था। वह बताती हैं, मुझे लगा कि सेट पर घंटों-घंटों बैठना बिल्कुल ठीक है, जबकि मेरे मेल को-एक्टर्स अपना समय पता करते थे और तय करते थे कि जब शूटिंग करेंगे तभी वो सेट पर दिखाई देंगे। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने बॉलीवुड में करियर शुरू किया था तो उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा था। प्रियंका ने इंटरव्यू में बताया कि मुझे पहले काली बिल्ली और सांवली कहा जाता था। मेरा मतलब है, उस देश में सांवली का क्या मतलब है जहां हम सचमुच भूरे रंग के हैं? मुझे ऐसा लगता था कि मैं ज्यादा सुंदर नहीं हूं। मुझे विश्वास था कि मुझे बहुत ज्यादा मेहनत करनी होगी। इतना ही नहीं, मुझे ये भी लगा कि मैं शायद अपने को-एक्टर्स की तुलना में थोड़ा ज्यादा टैलेंटेड हूं, जो गोरे हैं। लेकिन फिर मुझे लगा कि वह ही ठीक था क्योंकि वह सब नॉर्मल था।

केदारनाथ ने अपनी रिलीज के चार साल किए पूरे

नई दिल्ली। बालीवुड फिल्म केदारनाथ ने अपनी रिलीज के चार साल पूरे हो गए हैं। इस फिल्म में कलाकार स्वर्गीय सुशांत सिंह राजपूत ने प्रमुख भूमिका निभाई है। फिल्म के निर्देशक अभिषेक कपूर ने अपने सफर को याद करते हुए मंसूर के मुख्य किरदार को सुशांत की बेहतरीन अदाकारी में से एक बताया। फिल्म के बारे में अपनी यादों को साझा करते हुए फिल्म निर्माता अभिषेक कपूर ने कहा फिल्म शुरू से अंत तक एक एडवेंचर थी। हम जानते थे कि हम एक कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं लेकिन अब भी इसके बारे में सोचते हुए धैर्य जुनून और इसे बनाने में जो शक्ति लगी थी वह हमारी रीढ़ में सिहरन पैदा कर देती है। उन्होंने आगे सुशांत के साथ टीम बनाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया मैं बेहद आभारी हूं कि हमने इसे बनाया और मुझे सुशांत के साथ फिर से काम करने और शुद्ध ऊर्जा के बल का अनुभव करने का मौका मिला। मैं वास्तव में मानता हूं कि मंसूर का रोल सुशांत के बेहतरीन कामों में से एक था। महामारी के दौरान 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत का निधन हो गया था। मालूम हो कि फिल्म ने नमो नमो काफिराना और जान निसार जैसे गानों से सारा अली खान को स्टारडम तक पहुंचाया।

त्रिमूर्ती नगर
कृष्णा कॉलोनी
का मामला

जिंदगी के आखिरी दौर में एक बेटी की शादी की जिम्मेदारी लिए दर-दर भटक रहा पिता

लास्ट स्टेज का ब्लड कैंसर बिल्डर ने हड़प ली जमीन

बिल्डर नावेल डिसूजा का कारनामा, दर-दर भटक रहा है फेक्टरी से सेवानिवृत्त कर्मचारी

जबलपुर, यशभारत। बिल्डर की धोखाधड़ी का शिकार हुए ब्लड कैंसर मरीज दर-दर की ठोकरे खाने मजबूर है। साल 2018 में बिल्डर नावेल डिसूजा से धनप्रभा परिसर कृष्णा कॉलोनी त्रिमूर्ति नगर निवासी महेश कुमार मिश्रा ने 1 हजार वर्गफुट प्लाट खरीदा था उसी आधार पर मकान बनवा लिया लेकिन जब महेश कुमार मिश्रा को बिल्डर ने प्लाट के दस्तावेज उपलब्ध कराए तो वह 597 वर्गफुट के थे। बिल्डर की धोखाधड़ी से आहत महेश कुमार मिश्रा न्याय पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। महेश कुमार मिश्रा, निवासी 319/ए कविता अगरबत्ती के पास, शांति नगर, दमोह नाका ने बताया कि ई पंजीकृत विक्रय विलेख कमांक एम.पी. 1825520185127417 दिनांक 26.02.2018 के आधार पर मौजा गोहलपुर नं.यं. 601. प.ह.नं. नया 29. कृष्णा कॉलोनी राजीव गांधी वार्ड तहसील व जिला जबलपुर में रिक्त भूमि डायवर्सन खसरा नं. 164/3 का कुल रकबा 0. 600 है. जिसका स्वीकृत लेआउट प्लाट नं. 88 भूमि में से विकय रकबा 1000 वर्गफीट के के नामांतरण हेतु मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था। उक्त प्रकरण में तहसीलदार, अधारताल, जबलपुर द्वारा इश्तहार का प्रकाशन कर उक्त आवेदित भूखंड जो आवेदक के द्वारा विक्रेता नावेल डिसूजा पिता स्व. साबिस्तेन डिसूजा निवासी ग्राम गुरदा खजरी बाई पास तहसील पनागर जिला जबलपुर से कय किया गया है। जो खसरा नकल अनुसार डायवर्सन खसरा नं. 164/3 रकबा 597. 123 वर्गफीट में से अंश रकबा 1000 वर्गफीट ई पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से कय किया गया है जिसका नामांतरण स्वीकार कर राजस्व आदेश अनुवृत्ति पत्र मामला ऋमांक 2029/अ+6/2020-21 मोहिनी मिश्रा बनाम नावेल डिसूजा के माध्यम से आदेश दिनांक 28.02.20 को पारित किया गया है। लेकिन उक्त उल्लेखित आदेश

के परिपालन में कलेक्टर कार्यालय, भू अभिलेख (परि.) द्वारा जारी पी-1 प्रमाण पत्र में भूमि डायवर्सन खसरा नं. 164/3 का कुल रकबा 0.600 हे. में से आवासीय क्षेत्रफल (597/55.47) दर्ज किया गया है जबकि विकय रकवा 1000 वर्गफीट दर्ज किया जाना चाहिये था। जिसे स्वीकृत क्षेत्रफल से कम दर्शा रहा है।

टीएनसीपी का झूठा नक्शा दिया

पीड़ित महेश कुमार ने बताया कि बिल्डर ने किस तरह से उसके साथ जालसाजी की है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसे टीएनसीपी का झूठा नक्शा दिया गया है। इस बात की जानकारी बहुत बाद में लगी। बिल्डर ने सिर्फ एक व्यक्ति के साथ नहीं कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। बहुत से लोग परेशान है कई लोग ऐसे है जिन्हें बैंक से लोन लेकर मकान बनाना है लेकिन प्लाट दस्तावेज गलत होने से लोग बैंक तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

बेटी की शादी करना, बड़ी जिम्मेदारी

प्रशासनिक सिस्टम और बिल्डर की धोखाधड़ी से परेशान महेश कुमार ने बताया उसकी दो बेटी है एक की शादी हो चुकी है जबकि दूसरी की शादी करना है। मैं नहीं चाहता हूं कि मेरे जाने के बाद बेटियों को मकान से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़े, बेटियों को और कुछ तो दे नहीं सकता सिर्फ मकान है जो दे सकता हूं।

किस वक्त मौत आ जाए कह नहीं सकता, बच्चों की चिंता है

महेश कुमार मिश्रा खमरिया फेक्टरी से सेवानिवृत्त है और ब्लड कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे हैं। महेश का कहना है कि किस वक्त मौत आ जाए बोल नहीं सकता हूं लेकिन जीते जी चाहता हूं कि बच्चों को उनका हक मिल और वह किसी भी तरह की परेशानी में न आए। बिल्डर नावेल डिसूजा के द्वारा धोखाधड़ी की गई और इसकी शिकायत कई जगह कर चुका है लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हो रही है।

विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच मंत्रिमंडल की सुगबुगाहट

जबलपुर यश भारत। अगले साल प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। 4 साल के विधानसभा के कार्यकाल में लगभग डेढ़ साल कांग्रेस तो ढाई साल से अधिक भाजपा का कार्यकाल बीत गया है। अब जबकि चुनावी मौसम दस्तक देने लगा है ऐसे में सत्ता के गलियारों के साथ-साथ राजनीति के मैदान में सक्रियता दिखने लगी है। ढाई साल से नेतृत्व विहीन रहे महाकौशल का नेतृत्व करने वाले जबलपुर जिले में भी राजनैतिक व क्षेत्रीय समीकरणों को साधने के लिए रणनीतियां तैयार हो रही हैं। ऐसे में मंत्रिमंडल का विस्तार एक ऐसा रास्ता होता है जो क्षेत्रीय व जातिगत समीकरणों को बनाने का काम करता है। यदि जबलपुर जिले की बात की जाए तो यहां क्षेत्रीय व जातिगत समीकरणों का असर पिछले तीन दशकों से चुनावों में देखने को नहीं मिल रहा था, जिसके चलते भाजपा यहां से हर चुनाव में बढ़त बनाने में कामयाब रहती थी। लेकिन पिछले दो चुनावों से यहां कांग्रेस ने अच्छा खासा प्रदर्शन करते हुए भाजपा को पटकनी दी है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि भाजपा के लिए मजबूत गढ़ जो धीरे-धीरे धसकता जा रहा है उसे साधने के लिए भाजपा क्या करती है।

क्योंकि विधानसभा चुनावों में हार के बाद भाजपा ने अंकगणित की राजनीति से सरकार में वापसी कर ली थी लेकिन जबलपुर को नजरअंदाज करके रखा। एक जंबो मंत्रिमंडल में जबलपुर को नाम मात्र का भी प्रतिनिधित्व नहीं मिला। उसके पहले विधानसभा अध्यक्ष ईश्वरदास रोहाणी को छोड़ दे तो कोई बहुत वजनदार मंत्रि पद दो दशकों से जबलपुर के खाते में नहीं आया है। वही कांग्रेस की बात करें तो डेढ़ साल के कार्यकाल में शहर को दो कैबिनेट मंत्री मिले थे। ऐसे में अब चुनावी दस्तक के बीच जो मंत्रिमंडल विस्तार की बातें सामने आ रही है वे विकास की राजनीति से कहीं ज्यादा चुनावी राजनीति की धुरी में घूम रही हैं। ऐसे में क्षेत्रीय समीकरण और जातिगत समीकरणों के आधार पर ही मंत्रिमंडल का बंटवारा होगा। नाम तो बहुतेरे हैं लेकिन वरिष्ठता योग्यता को दरकिनार कर सिर्फ चुनावी सांचे में फिट होने वाले नामों को जगह मिलेगी। आखिरी दौर में यदि जबलपुर को कोई शोभा की सुपारी मिलती भी है तो वह शहर विकास से भी ज्यादा भाजपा के विकास के लिए कारगर होगी।

मंत्रिमंडल के साथ-साथ निगम मंडलों के पद भी खाली पड़े हैं। जिसको लेकर भी जोर-आजमाइश लंबे समय से चल रही थी। लेकिन भोपाल से कोई हरी झंडी ना मिलने के बाद दावेदारों ने खुद ही हथियार डाल दिए। लेकिन अब चुनाव नजदीक आ रहा है। ऐसे में मंत्रिमंडल के साथ-साथ निगम मंडलों की भी उम्मीद जागी है जो कुछएक पद खाली पड़े हैं वह डैमेज कंट्रोल के लिए हैं ना कि निगम मंडलों को मजबूत करने के लिए। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि विकास के लिए बनाए गए पद राजनैतिक मजबूती के लिए प्रयोग ना किया जाए। जबलपुर को जो प्रतिनिधित्व संभवतः मिलने वाला है वह आने वाले समय में भी बरकरार रहे तो अच्छा होगा। नहीं तो भाजपा अपना मजबूत किला लगातार कमजोर करती जाएगी।अब भाजपा को इस विषय में विचार करना होगा कि निष्ठावान कार्यकर्ताओं के साथ-साथ समर्पित मतदाताओं का भी ध्यान रखें, जिनके कंधों पर चढ़कर वह सत्ता को साधती है।

महापौर गुरुकुल के विद्यार्थियों को दिखाई गई देशभक्ति फिल्म

जबलपुर, यशभारत। शासकीय शालाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की उन्नत शिक्षा व बहुमुखी विकास हेतु प्रारंभ की गई। महापौर गुरुकुल शिक्षा अभियान में सहयोगी संस्था मेकलसूता इंस्टिट्यूट के संयोजक जयदीप मिश्रा, अमन मांझी व अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से शासकीय शालाओं में पढ़ने वाले लगभग 2200 विद्यार्थियों को प्रथम चरण में स्थानीय समदड़िया मॉल में प्रातः 9:30 बजे से आर्मी अधिकारी के संपूर्ण जीवन पर आधारित देशभक्ति व अनुशासन से ओतप्रोत बायोग्राफी फिल्म मेजर दिखाई गई। विदित हो कि विगत दिवस शासकीय शालाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के बहुमुखी चहुमुखी विकास, उन्नत शिक्षा व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने इस अभियान की शुरुआत की है, जिसमें 9 वीं से 12 वीं तक के 2152 विद्यार्थी नगर निगम की 5 शालाओं के लाभान्वित हो रहे हैं। आज इस मौके पर उत्तर, मध्य विधानसभाक्षेत्र के विधायक विनय सक्सेना भी मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में करेंगे बुजुर्गों का सम्मान

आज शाम 5 बजे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू मेडिकल कॉलेज के आगे स्थित वृद्धाश्रम पहुंचेंगे। वे वहां उनकी सेवा के साथ हाल चाल जानेंगे और सम्मान करेंगे।

जेएनकेविवि कृषि विज्ञान केंद्र में खाद्य प्रसंस्करण पर परिचर्चा

कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण मिलेगा तो आय दोगुनी होगी: राज्यमंत्री भारत सिंह

जबलपुर, यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि के कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अटारी में मध्य प्रदेश में उद्यानिकी फसलों में खाद्य प्रसंस्करण पर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण एवं नर्मदा घाटी विकास ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण मिलेगा तो उनकी आय दोगुनी होगी। खाद्य प्रसंस्करण तकनीक से किसानों को लाभ भी मिलेगा। कार्यक्रम में शामिल केंट विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग यूनिट ज्यादा से ज्यादा लगाई जिससे किसानों को लाभ मिलेगा साथ ही प्रोडेक्टों के दाम भी अच्छे मिलेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जेएनकेविवि कुलपति डॉ प्रमोद कुमार ने कहा कि जैसे सभी जिलों में अलग-अलग उत्पाद है जो हर जिले के लिए खास है इन उत्पादों का खाद्य प्रसंस्करण होगा तो उन जिलों के किसानों को लाभ के साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। परिचर्चा कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र की प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. श्याम रंजन कुमार सिंह, निदेशक, अटारी, डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक शिक्षण, ज.ने.कृ.वि.वि., डॉ. दिनकर शर्मा, संचालक विस्तार सेवाए, डॉ. जी. के. कोतु, संचालक अनुसंधान, डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि संकाय, ज.ने.कृ.वि.वि., डॉ. डी. बर्धन, प्रधान वैज्ञानिक, अटारी मौजूद थे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लक्ष्मीबाई ठाकुर का स्वर्गवास

राजकीय सम्मान के साथ रानीताल मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार

जबलपुर, यशभारत। दीनदयाल वार्ड अंतर्गत आईटीआई पंचमुखी कॉलोनी निवासी 103 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीमती लक्ष्मीबाई ठाकुर का निधन हो गया है जिनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को रानीताल मुक्तिधाम में राजकीय सम्मान के साथ किया गया जिन्हें पुलिस के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। श्रीमती लक्ष्मीबाई ठाकुर ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया था और वे अंग्रेजों का विरोध करते हुए जेल भी गई थी जिसके चलते उन्हें कई बार स्वतंत्रता के बाद विभिन्न सरकारों द्वारा सम्मान भी दिया गया था और जब 103 वर्ष की आयु पूर्ण कर उनका निधन हुआ तो उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

JYOTI INNER ZONE
सभी कम्पनियों के विन्टर इनर उपलब्ध
LUX cozi | AMUL MACHO | RUPA | JOCKEY | DIXCY SCOTT
1222, Main Road Ganjipura Near Super Market Jabalpur (M.P.) 0761-4038008

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
फ्रुट आयटम उपलब्ध
→रोस्टेट नमकीन →सतू →मूंगफल्ली की लइया →रोस्टेट ड्राई फ्रूड →वेक्ड टोस्ट →करेला चिप्स →पीनट चिक्की →ड्राईभेल →बिस्केट →फुल्की →रोस्टेड मूंगफल्ली →सिंधी पापड़ →चने
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304, 7987145201

गैलेक्सी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मध्य भारत का तेजी से उभरता हुआ, सर्वप्रथम होलीस्टिक हॉस्पिटल
आयुष्मान एवं सभी प्रकार के टीपीए की सुविधा
आर्यरा AaryAra (illuminate AspiratioN)
उखरी तिराहा, विजय नगर, जबलपुर (मप्र)-482003
0761-4017010, 4027010, 2647010 Helpline 881983000,7777877708
galaxyhospitaljbpweb@gmail.com, galaxyhospitaljbp2020@gmail.com
www.galaxyhospitaljbp.com

दुआ से तकदीर बदलती है आप है परेशान हमसे पाये समाधान
27 साल के अनूभवी
अली शाह
करनी करतूत, बीमारी में दवा ना लगना, कारोबार और घर में बरकत ना होना, प्रेम विवाह, वशीकरण, गृहकलेश, बंदिशबाधा रुकावट आदि ऐसे तमाम रुहानी परेशानी के हल के लिए आज ही मिले।
संपर्क करें मो. 8878383610, 8982585083

आपका शैल्बी, आपका हेल्थ पार्टनर
अधिक जानकारी व अपॉइंटमेंट हेतु संपर्क : +91 95758 01200
28 YEARS | SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITALS
In association with SMJ Trust
शैल्बी हॉस्पिटल्स
प्लाट नं. 5, अहिंसा चौक, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.)
24x7 Emergency & Pharmacy
Emergency No 95758 01020
www.shalby.org

क्रिसमस एवं नूतन वर्ष की शुभकामनाएं
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
फ्लोरिंग एंड फर्नीशिंग, पर्दा एवं सोफा क्लाथ, वाल पेपर मिंक कंबल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने
3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

क्रिसमस एवं नूतन वर्ष की शुभकामनाएं
शॉल ही शॉल...
लक्ष्मी एम्पोरियम
• काश्मीरी • प्योरऊल • जमावार • सिप्पीवर्क • कानीवर्क • आरी वर्क
फैंसी रंग डिज़ाईन
नया स्टॉक उचित दाम
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

महाकौशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घंटे
LIFE CARE ICU, Mukherjee Hospital
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम व सुविधाएं
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ तरुन नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ एम. चंसोरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ नेहा चंसोरिया B.D.S, M.D.S. (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ अखिलेश पटेल (छाती एवं स्वांस रोग विशेषज्ञ)
सुविधाएं
हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन, सिर की चोट, हेड इन्जूरी, रीढ़ की हड्डी की चोटों का इलाज व ऑपरेशन, लकवा, मिर्गी एवं दिमागी बुखार का इलाज, जहरीली वस्तु का सेवन (Poison Unit), सर्पदंश उपचार, गंभीर लीवर की बिमारी, किडनी की बीमारी (पथरी), डायलिसिस सुविधा उपलब्ध, हर प्रकार के पेट के रोगों का ऑपरेशन, Burn Unit (जले हुए मरीजों का इलाज), महाकौशल के सबसे आधुनिक वेन्टीलेटर उपलब्ध, 24 घंटे डायलिसिस की सुविधाएं
1933, प्रेम मंदिर के पास, राइट टाउन, जबलपुर | 07614038666, 7049079825 | 9300920067

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*।
फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)